

ये प्राइस नहीं, सरप्राइज है !

₹4000/ Sq. Ft में फ्लैट !
₹5000/ Sq. Ft में कोठी !

KEDIA
सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड, जयपुर

बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

FIXED PRICE & RENTAL

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.25 CRORE
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.55 CRORE

NO MIDDLE MEN

FIXED PRICE

REAL VALUE | REAL GROWTH | REAL ESTATE

KEDIA

1800-120-2323
78770-72737

info@kedia.com
www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH



आंदोलन
अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA
Pavitra

FIXED PRICE

अब राजस्थान पवित्र ही खाएगा

<p>FLOUR</p> <ul style="list-style-type: none"> Sharbat Superior Atta 1kg ₹ 350 Deshi Chakki Atta 1kg ₹ 250 Suji (Semolina) 500g ₹ 45 Besan 500g ₹ 70 	<p>GRAINS</p> <ul style="list-style-type: none"> Sharbat Wheat 15kg ₹ 650 Deshi Wheat 15kg ₹ 650 Wheat Dalma 500g ₹ 45 	<p>WHOLE SPICES</p> <ul style="list-style-type: none"> Cumin/Jeera (Whole) 500g ₹ 240 Fennel Seeds (Saunf) 200g ₹ 95 Coriander (Whole) 200g ₹ 95 Green Cardamom (Elaichi) 50g ₹ 380 Methi Dana 200g ₹ 45 Kesari Methi 50g ₹ 65 Clove (Laung) 50g ₹ 120 Black Pepper (Kali Mirch) 50g ₹ 110 Cinnamon (Dal Chini) 50g ₹ 140 Bal 300g ₹ 85 Ajwain 200g ₹ 95 Isali 200g ₹ 100 	<p>SHAKES</p> <ul style="list-style-type: none"> Cheese & Herbs Makhana 50g ₹ 100 Magic Masala Makhana 50g ₹ 100 Sour Cream & Onion Makhana 50g ₹ 100 Himalayan Pink Salt & Himalayan Pink Salt Black Paper Makhana 50g ₹ 100 	<p>RICE & POHA</p> <ul style="list-style-type: none"> Platinum Sharbat Rice 1kg ₹ 120 Elite Basmati Rice 1kg ₹ 150 Indori Poha 500g ₹ 75 	<p>POWDERED SPICES</p> <ul style="list-style-type: none"> Lakadong Turmeric Powder 250g ₹ 250 Red Chilli Powder 250g ₹ 150 Coriander Powder 250g ₹ 100 Anchur Powder 100g ₹ 45 Himalayan Pink Rock Salt 1kg ₹ 100 Tafali Hing (Asafotida) 10g ₹ 400
<p>PULSES</p> <ul style="list-style-type: none"> Chana Dal 500g ₹ 70 Ahar/Toor Dal 500g ₹ 95 Urad Dal (Chikka) 500g ₹ 95 Urad Dal 500g ₹ 95 Masoor Dal 500g ₹ 95 Masoor Makhana 500g ₹ 95 Moong Dal (Chikka) 500g ₹ 95 Moong Dal 500g ₹ 95 Moth 500g ₹ 125 Green Moong (Whole) 500g ₹ 125 Rajma Chitta 500g ₹ 125 Rajma Kashmiri 500g ₹ 125 Red Rajma 500g ₹ 125 Kabuli Chana 500g ₹ 125 Kala Chana 500g ₹ 125 Green Chana 500g ₹ 125 Green Peas 500g ₹ 125 	<p>WHOLE SPICES</p> <ul style="list-style-type: none"> Garam Masala 100g ₹ 100 Kitchen King Masala 100g ₹ 100 Chaot Masala 100g ₹ 100 Pav Bhaji Masala 100g ₹ 100 Shahi Paneer Masala Daal Makhani Masala 100g ₹ 100 Rajma Masala 100g ₹ 100 Tea Masala 100g ₹ 100 Jalajeera Masala 100g ₹ 100 Raita Masala 100g ₹ 100 Chana Masala 100g ₹ 100 Sambhar Masala 100g ₹ 100 Chooch Masala 100g ₹ 100 Sabji Masala 100g ₹ 100 Paho Rasala (Dahi Anarasa) 100g ₹ 100 	<p>DRY FRUITS</p> <ul style="list-style-type: none"> California Almonds 250g ₹ 400 Cashew Nuts 250g ₹ 400 Pistachios 250g ₹ 500 Raisins 250g ₹ 250 Medjool Dates 250g ₹ 600 Groundnut 500g ₹ 145 Walnuts 250g ₹ 400 Mamra Almonds 250g ₹ 1,250 Makhana 100g ₹ 250 Anjeer 250g ₹ 600 Dry Fruits Combo ₹ 1,100 	<p>TEA</p> <ul style="list-style-type: none"> Tea 500g ₹ 300 	<p>EDIBLE OIL</p> <ul style="list-style-type: none"> Masala Combo ₹ 500 Filtered Groundnut Oil 1L ₹ 300 Kachi Ghani Mustard Oil 1L ₹ 300 	

ऑर्डर करने के लिए: प्रोडक्ट के आगे टिक लगाइए और फोटो 90704 90704 पर भेज दीजिए।

रिटेलर हो या कस्टमर :
कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ

1800 120 2727

ORDER ON WEBSITE



ORDER ON WHATSAPP



ORDER ON APP



ORDER ON



54000+ RETAILERS SUPERMARKETS WEBSITE WHATSAPP APP TOLL FREE

विचार बिन्दु

शिक्षा का महान उद्देश्य ज्ञान नहीं, कर्म है। —हर्बर्ट स्पेन्सर

आयुर्वेद का रोचक इतिहास

आयुर्वेद चिकित्सा की एक प्राचीन प्रणाली है जो कम से कम 5,000 साल पहले भारत में उत्पन्न हुई। शब्द 'आयुर्वेद' का अर्थ जीवन का ज्ञान है। आयुर्वेद को प्रायः 'जीवन का विज्ञान' या 'जीने की कला' भी कहा जाता है। आयुर्वेद की उत्पत्ति और प्रारंभिक सूत्र वेदों में उपलब्ध है, जिनका काल 1500 ईसा पूर्व माना जाता है। वेदों में दर्शन, आध्यात्मिकता और चिकित्सा सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला के बारे में जानकारी है। ऐसा माना जाता है कि आयुर्वेद के सिद्धांतों को सर्वप्रथम चार वेदों में से एक, अथर्ववेद, में रेखांकित किया गया था। समय के साथ, आयुर्वेद एक व्यापक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के रूप में विकसित हुआ, जिसमें आहार, व्यायाम, ध्यान, उपचार और सर्जरी सहित स्वास्थ्य और कल्याण के सभी पहलुओं को शामिल किया गया। आयुर्वेदिक चिकित्सकों ने मानव शरीर की गहरी समझ विकसित की। साथ ही मानव शरीर और पर्यावरण के बीच परस्पर संबंध को भी व्यापक रूप से समझाईस ज्ञान का उपयोग रोगियों के लिए व्यक्तिगत उपचार योजना विकसित करने के लिए किया।

आयुर्वेद भारत में हजारों वर्षों तक फलता-फूलता रहा, लेकिन औपनिवेशिक युग के दौरान इसे कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इस काल में पश्चिमी चिकित्सा स्वास्थ्य सेवा का प्रमुख रूप बनती गई। हालाँकि, हाल के वर्षों में, भारत और दुनिया भर में आयुर्वेद में नए सिरे से रुचि पैदा हुई है, और अब इसे एक मूल्यवान पूरक चिकित्सा के रूप में मान्यता प्राप्त है। आज, आयुर्वेद भारत में व्यापक रूप से प्रचलित है और दुनिया के अन्य हिस्सों में भी इसने लोकप्रियता हासिल की है। आयुर्वेद के सिद्धांत इस विचार पर आधारित हैं कि प्रत्येक व्यक्ति अद्वितीय है और उसका अपना व्यक्तिगत दोष संतुलन है। तीन मुख्य दोष हैं: वात, पित्त और कफ। प्रत्येक दोष विशिष्ट विशेषताओं और असंतुलन से जुड़ा होता है, और आयुर्वेदिक चिकित्सक इस जानकारी का उपयोग बीमारियों के निदान और उपचार के लिए करते हैं। पश्चिमी चिकित्सा के विपरीत, जो लक्षणों के इलाज पर ध्यान केंद्रित करती है, आयुर्वेद का उद्देश्य बीमारियों के मूल कारण को दूर करना और शरीर और दिमाग में संतुलन बहाल करना है।

हालाँकि आयुर्वेद का एक लंबा और समृद्ध इतिहास है, पर इसे विवादों में घसीटता का इतिहास भी कम लम्बा नहीं है। कुछ आलोचकों को आयुर्वेदिक उपचारों की सुरक्षा और प्रभावकारिता के बारे में चिंता होती रही है। इसके अतिरिक्त, दूषित आयुर्वेदिक उत्पादों के रोगियों को नुकसान पहुँचाने के बारे में भी अब बहुत प्रकाशन होता है। इन आलोचनाओं के बावजूद, आयुर्वेद चिकित्सा लोकप्रिय और कारगर है, और दुनिया भर के असंख्य लोगों ने आयुर्वेदिक उपचारों के माध्यम से उन रोगों से राहत पाई है जिन्हें आधुनिक चिकित्सा पद्धति ठीक नहीं कर पाती। समकालीन विषय में जैसे—जैसे प्राकृतिक और पूर्ण स्वास्थ्य सेवा में रुचि बढ़ रही है, आयुर्वेद चिकित्सा की भूमिका भी बढ़ती जा रही है।

आयुर्वेद को मूल रूप से अथर्ववेद का उपवेद माना जाता है। इसका मूल कारण यह है कि अथर्ववेद में न केवल बहुत स्पष्ट रूप से चिकित्सा का वर्णन है, अपितु ऋग्वेद की तुलना में औषधियों की संख्या भी अधिक अंकित है। यह बात सत्य है कि ऋग्वेद का औषधि सूक्त आयुर्वेद का सबसे पुराना दस्तावेज है, किन्तु अथर्ववेद में भारतीय चिकित्सा पद्धति का तुलनात्मक रूप से अधिक प्रायोगिक विस्तार मिलाता है।

आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति भारत की मूल्यवान और अनोखी धरोहर है। आयुर्वेद का उद्भव काल 6000 ई. पू. माना जाता है, पर मतिभ्रंशता के बावजूद इसे 5000 साल पुरानी चिकित्सा पद्धति तो माना ही जाता है। आयुर्वेद का सबसे पुराना उपलब्ध ग्रन्थ ई. पू. पांचवी शताब्दी में आचार्य चरक द्वारा लिखित चरक संहिता है। उसके पश्चात् सुश्रुत संहिता, अष्टांग हृदय, सारंगधर संहिता, माधव निदान, भावप्रकाश आदि ग्रन्थ लिखे गये। इनमें से चरक संहिता से प्रारंभ कर 15वीं शताब्दी में लिखित भावप्रकाश तक का समयकाल लगभग 2000 वर्ष का है। इस यात्रा में आचार्य नागार्जुन की रस औषधियों सहित तमाम रोचक नवाचार हुये जो आज भी आयुर्वेद चिकित्सा के माध्यम से लोगों के चेहरे पर मुस्कराहट ला रहे हैं।

संक्षेप में देखा जाये तो अथर्ववेद काल में चिकित्सा मुख्य रूप से देवताओं के ऊपर आश्रित मानी जाती थी, यही कारण है कि इस प्रकार की चिकित्सा को बाद में आयुर्वेद संहिता काल में दैव-व्यापारय चिकित्सा के रूप में जाना गया है। अथर्ववेद काल की चिकित्सा में एक महत्वपूर्ण बात यह है कि एक रोग के लिए एक औषधि का प्रयोग ही दृष्टिगत होता है, किन्तु साथ ही उपचार में देवताओं, मंत्रों, पूजा-पाठ आदि अनिवार्य रूप से प्रयुक्त हुये। दैवव्यापारय चिकित्सा का यह श्रेष्ठ काल रहा है।

अथर्ववेद परम्परा का कौशिक सूत्र इस परम्परा का अगला पड़ाव माना जाता है। कौशिक सूत्र मूलतः अथर्ववेद परम्परा का सूत्र है। अतः स्वाभाविक रूप से अथर्ववेद की चिकित्सा तथा औषधीय पौधों के संदर्भ और प्रक्रिया यथावत पायी जाती है। तथापि अथर्ववेद और कौशिक सूत्र दोनों में उपलब्ध चिकित्सा विवरण में कुछ मूलभूत अन्तर है।

जहां एक ओर अथर्ववेद में एक रोग के लिये एकल औषधि और साथ में पूजा-पाठ का विधान प्रयुक्त किया गया है, वहीं कौशिक सूत्र में पूजा-पाठ का विधान तो है परन्तु एकल औषधियों की जगह रोगों के लिये अनेक औषधियों के मिश्रण या योग का प्रयोग हुआ। दूसरा अंतर यह आया कि कौशिक सूत्र में ऐसी अनेक औषधियाँ वर्णित हैं, जिनका संदर्भ अथर्ववेद में नहीं मिलाता है। इसका स्पष्ट तात्पर्य यह हुआ कि आयुर्वेद के विकास का यात्रा में अथर्ववेद एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, किन्तु बाद में रचित कौशिक सूत्र में

नई औषधियों और रोगों के लिये नवाचारों योग जुड़ गये। हालाँकि कौशिक सूत्र में भी स्पष्टतया पूजा-पाठ को चिकित्सा में उपयोग लेने की अथर्व-परम्परा को तो यथावत दिया गया, परन्तु केवल पूजा-पाठ और एक औषधि को बजाय बहुत औषधियाँ योग देने का तात्पर्य यह लगाया जाता है कि पूजा-पाठ के साथ-साथ औषधियों को भी बराबर का महत्व दिया गया है। अथर्व परम्परा का कौशिक सूत्र निश्चित रूप से आयुर्वेद के विकास में एक मील का पत्थर है। परन्तु यह भी सही है कि चिकित्सा के मूल दर्शन के रूप में पूजा-पाठ (दैवव्यापारय चिकित्सा) आदि को कौशिक सूत्र में भी बराबर महत्व दिया गया है।

आगे चलकर संहिताकाल, जो लगभग 1000 वर्ष ईसा पूर्व से लेकर पहली शताब्दी तक माना जा सकता है, को आयुर्वेद का स्वर्णकाल कहा जाता है। एक अत्यन्त महत्वपूर्ण बात यह है कि संहिताकाल में उस समय तक चिकित्सा का जो भी ज्ञान वेदों, उपनिषदों, ब्राह्मणों या सूत्रों में उपलब्ध था, उस सम्पूर्ण ज्ञान को एकत्र कर संहिताकाल में आचार्यों ने जांच-परख कर और प्रत्यक्ष प्रायोगिक परीक्षण कर संहिताबद्ध किया। यही कारण है कि आयुर्वेद की मूल संहिताओं में चिकित्सा यथावत: युक्ति-व्यापारय (प्रमाण-आधारित या रेशनेल मेडिसिन) में बदल गई। इस प्रकार अंततः आयुर्वेद पूर्णतः वैज्ञानिक धरातल पर आ गया।

संहिताकाल का आयुर्वेद वॉम्प मूल रूप से चरकसंहिता और सुश्रुतसंहिता में उपलब्ध है। चरकसंहिता मूलतः कायचिकित्सा से संबंधित टांथ्य है, जबकि सुश्रुत संहिता मूलतः शल्यचिकित्सा से संबंधित है। दोनों में इस असमानता के बावजूद दोनों संहितायें प्रमाण-आधारित वैज्ञानिक दृष्टिकोण को ही प्रतिपादित करती हैं। इन संहिताओं में प्रमाण, कारण-कार्य प्रभाव, तर्क-संगतता आदि को उतना ही महत्व दिया गया है जितना कि आज के वैज्ञानिक शोध में दृष्टिगोचर होता है। यही कारण है कि पूरा विश्व आचार्य सुश्रुत को शल्य-चिकित्सा का जन्मदाता मानता है।

आचार्य सुश्रुत ने शल्य क्रिया के इतने विस्तृत सूत्र और विधियाँ लिखा कि उसमें कोई ऐसा कदम नहीं छूटा जिसे आज आधुनिक विज्ञान ने विलुक्त नये सिरे से खोजा हो। यहाँ तक कि शल्य क्रिया में प्रथक से काम आने वाले जो औजार जगह आचार्य सुश्रुत ने डिजाइन किये उसमें कोई बहुत बड़ा परिवर्तन आज भी नहीं आया है। लगभग समान औजार आज भी प्रयुक्त हो रहे हैं। आज यह कह सकते हैं कि इन औजारों के निर्माण के लिये आज बेहतर तकनीक तो उपलब्ध है, किन्तु उनके मूलभूत डिजाइन में कोई विषेण अन्तर नहीं आया है।

इस संक्षिप्त चर्चा से स्पष्ट हो जाता है कि वैदिक काल से लेकर संहिता काल तक और संहिता काल से आज तक आयुर्वेद के विकास की एक बड़ी रोचक यात्रा रही है।

आधुनिक विज्ञान की दृष्टि से परखने पर चरक संहिता शरीर-विज्ञान, भ्रूणविज्ञान, फिजियोलॉजी, फार्माकोलॉजी, खाद्य एवं पोषण, पाचनसंज्ञ एवं पाचन-क्रियाविज्ञान, रक्त-परिसंचरण तंत्र, मानस-विज्ञान, रोग निदान-विज्ञान, प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी, मेडिको-बॉटनी, एवं काय-चिकित्सा जैसे अनेक विषयों का महत्वपूर्ण ग्रन्थ है।

आज विश्वभर के वैज्ञानिक अपने शोध-पत्रों के प्रकाशन में पूर्ववर्ती शोध का संदर्भ देते हैं, ठीक उसी प्रकार प्राचीन आयुर्वेदाचार्यों ने, समय और ज्ञान की लंबी यात्रा में उत्तरोंतर, अपने पूर्ववर्ती विद्वानों की शोध का विवरण देते हुये आयुर्वेद को उत्तरोंतर स्वयं के अनुभवों से परिष्कृत किया। चरक संहिता में वर्णित औषधीय पौधों को प्रजातियों की संख्या और उपयोगिता का वर्णन बाद के ग्रन्थों में निरंतर बढ़ता गया है। चरक संहिता में कुल 627 औषधीय पदार्थों का वर्णन प्रचलना जा सका है। सुश्रुत संहिता और अष्टांगहृदय सहित मुख्य ग्रंथों को मिलायें तो 1250 औषधीय पौधों का आयुर्वेद में अधिक उपयोग हो रहा है।

आचार्यों ने अपने पूर्ववर्ती विद्वानों द्वारा बताई गई औषधियों पर प्रमाण-आधारित परीक्षा किया। साथ ही, स्वास्थ्य व्यक्तियों के स्वास्थ्य की रक्षा और रोगियों की रूग्णता शान्त करने के लिये समय के साथ नई-नई औषधियों की खोज, या पूर्व से ज्ञात औषधियों के नवीन गुणों को पहचाना, परिभाषित किया और अपने ग्रन्थों में उल्लेख किया।

समय के साथ बढ़ती विशेषज्ञता भी बड़ी रोचक है। चरक संहिता में यद्यपि आयुर्वेद चिकित्सा के सभी अंगों को समाहित किया गया, परंतु मूल ध्यान काय-चिकित्सा और रसायन चिकित्सा की ओर ही रहा। आचार्य सुश्रुत ने आयुर्वेद के विभिन्न पहलुओं का विवरण दिया, परंतु सुश्रुत संहिता में विशेषज्ञता शल्यक्रिया में केंद्रित रही। कायचर संहिता बाल एवं महिला स्वास्थ्य पर केंद्रित है। आचार्य चक्रदत्त ने एकल औषधि चिकित्सा पद्धति में विशेषज्ञता विकसित कर लिखा। इसी प्रकार पॉली-हर्बल या बहु-पादपीय औषधियों द्वारा चिकित्सा में आचार्य सारंगधर का कोई सानि नहीं है।

आयुर्वेद में आधुनिक वैज्ञानिक शोध हालाँकि अभी बहुत अधिक नहीं है, फिर भी स्कोपस डेटाबेस से ज्ञात होता है कि वर्ष 1923 से 2025 के दौरान प्रकाशित कुल 65,508 शोधपत्रों में कहीं न कहीं आयुर्वेद का उल्लेख हुआ है, उनमें से 16,146 शोधपत्र विशेषकर आयुर्वेद पर केंद्रित हैं। इसके अतिरिक्त आयुर्वेद में प्रयुक्त औषधीय पौधों पर कम से कम 15 लाख से अधिक शोधपत्र हैं। पिछले एक दशक के दौरान भारत के कई दिग्गज वैज्ञानिकों और आयुर्वेदाचार्यों की शोध ने आयुर्वेद का प्रमाण-आधार बहुत मजबूत किया है। आयुर्वेदिक बायोलॉजी, आयुर्वेदिक जेनोमिक्स, होल-सिस्टम क्लिनिकल ट्रायलस आदि में उपयोगी कार्य हो रहा है। आधुनिक विज्ञान के समावेश से आयुर्वेद का और बेहतर उपयोग मानवता के कल्याण किया जा सकता है, परन्तु यह तभी संभव है जब वर्ष 1600 से 1947 के मध्य आयुर्वेद को दुर्बल करने के जितने भारी प्रयास हुये, उससे दुगुने प्रयास अब इसे आगे बढ़ाने के लिये किये जायें।

—अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर।)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

एक राष्ट्र, एक चुनाव- लोकतंत्र का नया क्षितिज



सुनील भागव

भारतीय लोकतंत्र अपनी जीवंतता और विविधता के लिए विश्व विख्यात है। स्वतंत्रता के पश्चात से अब तक लोकसभा और विधानसभाओं के 400 से अधिक चुनावों ने हमारी चुनौती प्रणाली की पारदर्शिता और निष्पक्षता को प्रमाणित किया है। लेकिन गत कुछ दशकों में निरंतर चुनावी मोड़ में रहने की विवशता ने देश के विकास और शासन की गति को कहीं न कहीं बाधित किया है। इसी परिप्रेक्ष्य में एक राष्ट्र, एक चुनाव की अवधारणा प्रशासनिक सुधार

के साथ ही भारतीय लोकतंत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाला एक दूरदर्शी विचार है। पूर्व राष्ट्रपति नारायण मोदक के अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट और 18 सितंबर 2024 को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा दी गई इसकी स्वीकृति ने इस दिशा में एक निर्णायक कदम बढ़ाया है। राजस्थान जैसे राज्य, मे पंचायत और स्थानीय निकाय चुनावों के संदर्भ में भी इस सुधार की प्रासंगिकता है।

हमारी देश में 1951-52 के पहले आम चुनाव से लेकर 1967 तक लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव साथ-साथ ही संपन्न होते थे। लेकिन 1968-69 में कुछ विधानसभाओं के समय पूर्व भंग होने और 1970 में चौथी लोकसभा के समय से पहले विघटन ने इस सुनहरें चक्र को तोड़ दिया। राजस्थान के संदर्भ में विधानसभा चुनावों के साथ-साथ स्थानीय निकायों और पंचायतों के अलग-अलग समय पर होने वाले चुनावों ने राज्य को एक स्थाने चुनावी शिबिर में बदल दिया है। इस विघटन ने राजकोष पर बोझ बढ़ाने के साथ ही प्रशासनिक मशीनरी को भी जनसेवा से हटाकर चुनावी ड्यूटियों में उलझाए रखा है।

रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति ने 21,500 से अधिक नागरिकों और 47 राजनीतिक दलों से परामर्श के बाद जो खाका खींचा है, वह अत्यंत व्यावहारिक है। समिति ने दो चरणों में कार्यान्वयन का सुझाव दिया है। प्रथम चरण में लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनावों का समन्वय और द्वितीय चरण में इन चुनावों के 100 दिनों के भीतर नगरपालिकाओं और पंचायतों (स्थानीय निकायों) के चुनाव संपन्न कराना है। राजस्थान गवाह है कि पिछली कांग्रेस सरकार ने अपनी राजनीतिक रोटियाँ सेंकने के लिए पंचायत चुनावों को फुटबॉल बना दिया था। पंचायती राज के चुनावों को लगभग दो साल तक लंबा खींचकर कांग्रेस ने ग्रामीण राजस्थान के विकास पर अघोषित आपातकाल लगा दिया था। महीनों तक चलने वाले चरणों और बार-बार लगने वाली आचार्य संहिता के नाम पर विकास कार्यों को ठप रखना और प्रशासनिक मशीनरी को पंगु बना देना कांग्रेस की कार्यशैली रही। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पानी व बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएँ फाड़लों में दबी रह गईं।

समिति द्वारा एकल मतदाता सूची अंततः करदाताओं का ही पैसा है। बार-बार मतदाता सूची तैयार करना, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का परिचालन और सुरक्षा व्यवस्था पर अरबों रुपये खर्च होते हैं। सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव पर अनुमानित व्यय 1.35 लाख करोड़ रूपए का हुआ था अर्थात एक वोट की औसतन लागत 1400 रूपए थी। समिति द्वारा एकल मतदाता सूची

—सुनील भागव,
सीए एवं आर्थिक मामलों के विशेषज्ञ।

सोशल मीडिया का किशोरों व युवाओं पर प्रभाव



मीनाक्षी धारीवाल

दोस्तों परिवार या सहकर्मियों से बातचीत के द्वारा जुड़ सकते हैं। एक सर्वे में 72 प्रतिशत युवाओं का कहना था कि सोशल मीडिया ने उन्हें आपस में जुड़े रहने, पढ़ाई, कौशल विकास में बहुत मदद की विशेषकर कोविड के समय। यह डिजिटल लिटरेसी, संवाद, रचनात्मकता और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में कौशल विकास के मौके भी खूब देता है। सोशल मीडिया ने सामाजिक न्याय, मानसिक स्वास्थ्य, वातावरणीय मुद्दों आदि अनेक विषयों पर जागरूकता बढ़ाने और युवाओं को आवाज को मुखर बनाने का काम बखूबी किया है। सामाजिक विषयों जैसे भी टू, क्लाइमेट चेंज कैम्पेन, लैंगिक समानता, भ्रष्टाचार निरोधी अभियान आदि को इसलिए ही सफलता मिली क्योंकि इनमें किशोरों और युवाओं ने ऑनलाइन भाग लिया। किशोर व युवा अपनी समस्याओं को ऑनलाइन सर्पोट कम्युनिटी ग्रुप में अवसर साझा करते हैं। सोशल मीडिया उन्हें मेंटल हेल्थ से जुड़े हुए जागरूकता समूहों व हेल्पलाइन से जुड़ा देता है जहाँ वे अपनी दैनिक समस्याओं का निवारण कर सकते हैं। इन लाभों के अलावा इसका अत्याधिक प्रयोग किशोरों व युवाओं पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव भी डाल रहा है। वर्तमान की सबसे बड़ी चिंता उनका मानसिक स्वास्थ्य है जो इससे अत्याधिक प्रभावित हो रहा है। एक सर्वे बताता है कि जो किशोर सोशल मीडिया पर हर दिन दो घंटे से अधिक समय बिताते हैं, उनमें चिंता, अवसाद व तनाव के लक्षण अधिक दिखाई दे रहे हैं और घर्ष, पढ़ाई व अन्य गतिविधियों में उनकी रुचि कम हो गई। सोशल मीडिया संस्कृति

अधिकतर आदर्श लाइफस्टाइल व आडंबरों का दिखावा हो गई है। आई सी एस आर के सर्वे में पाया गया कि 65 प्रतिशत किशोर खुद की तुलना इंफ्लुएंसर से करते हैं और खुद को कम आँकते हैं, यह एक ऐसा पैटर्न है जो आत्मविश्वास कम करता है और अस्वास्थ्यकर शारीरिक छवि की समस्याओं को बढ़ाता है। लाईक्स, कमेंट्स और फोलोवर्स पाने का दबाव अक्सर असली सेल्फ वर्थ के बजाय ऑनलाइन प्रसिद्धि के आधार पर मान्यता की भावना पैदा करता है। सायबरबुलिंग, ट्रोलिंग, ऑनलाइन उत्पीड़न आदि किशोरों और युवाओं में भावनात्मक परेशानियों को बहुत ज्यादा बढ़ा देते हैं। टोनएजस को सोलिंग, बॉडीशेमिंग वाले कमेंट्स का सामना भी करना पड़ सकता है। नॉर्थ इंडिया सर्वे में पाया गया कि इन्स्टाग्राम व व्हाट्सएप पर 4 में से 1 किशोर सायबरबुलिंग का सामना कर रहा है। इससे उनमें भावनात्मक असुरक्षा, समाज से दूरी और आत्महत्या के विचार तक आ सकते हैं। यह न के लिए लिए और न ही समाज व राष्ट्र के लिए हितकारी है, जो युवा ताकत स्वयं के व राष्ट्र के विकास में लगनी चाहिए वह व्यर्थ ही नष्ट हो रही है। किशोर व युवा फीड्स स्क्रोल करने, रील्स देखने या ऑनलाइन चैटिंग में इतना ज्यादा समय बिता रहे हैं कि उनकी नियमित दिनचर्या, नींद व शारीरिक स्वास्थ्य पर गहरा खतरा मंडरा रहा है। इससे उनकी एकाग्रता में कमी, पढ़ाई में खराब प्रदर्शन, खेलकूद में कम वारिचरक गतिविधियों में दिलचस्पी कम होती जा रही है। सोशल मीडिया का इनके सामाजिक व्यवहार पर भी गहरा प्रभाव

पड़ता है। ऑनलाइन दोस्त और इंटरएक्शन तो बहुत है लेकिन वास्तविक जीवन की व्यावहारिकता व असली दोस्त नदारद हैं, आमने-सामने की बातचीत व सम्बन्धों को निभाने का कौशल न के बराबर है जो की एक चिंता जनक तथ्य है। सोशल मीडिया टूट्स व साथियों के दबाव के चलते उनके व्यवहार पर व दृष्टिकोण पर प्रभाव पड़ता है, कभी-कभी जोखिम भरे व्यवहार में सम्मिलित होकर वे अपना, परिवार का व समाज का बहुत नुकसान भी कर देते हैं। किशोर व युवा लोग सोशल मीडिया पर अपनी व्यक्तिगत फोटो व लोकेशन साझा कर देते हैं जिससे उनकी निजता पर आघात हो सकता है।

निष्कर्ष रूप में यह कहा जा सकता है कि सोशल मीडिया का किशोरों व युवाओं पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है, जो मौके भी देता है और चुनौतियाँ भी। हालाँकि यह संवाद, सीखने, रचनात्मकता व सामाजिक जागरूकता को बढ़ाता है लेकिन इसका बहुत ज्यादा व बिना नियंत्रण का प्रयोग किशोरों व युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य, अकादमिक प्रदर्शन और सामाजिक सम्बन्धों पर गंभीर असर डाल सकता है। इसलिए माता-पिता, शिक्षकों और पॉलिसें बनेने वालों के लिए यह जरूरी है कि वे युवाओं व किशोरों को सोशल मीडिया का जिम्मेदारी से और संतुलित प्रयोग करने के लिए मार्ग प्रशस्त करें। 2025-26 के इकोनॉमिक सर्वे के अनुसार 15-29 वर्ष के किशोरों व युवाओं में अत्यधिक सोशल मीडिया एडिक्शन है। सोशल मीडिया एडिक्शन की भयावहता का अंदाजा इस घटना से लगाया जा सकता

अवैध बजरी से भरे वाहन जब्त

जोधपुर, (कास)। लूणी थाना पुलिस ने अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बजरी से भरे वाहनों सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी सुरेश चौधरी ने बताया कि लूणी नदी से अवैध रूप से बजरी का खनन कर उसका परिवहन किया जा रहा था। इस संबंध में सूचना प्राप्त होने पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान बजरी से भरा एक डम्पर, एक खाली डम्पर तथा एक विना नंबर की जेसीबी मशीन जब्त की गई। इस अवैध खनन में संलग्न आरोपियों में रमेश पटेल पुत्र केवलराम पटेल, तेजाराम पुत्र भलाराम जाट, लिखमाराम पुत्र केवलराम पटेल, विंड्रे पुत्र सोनाराम पटेल तथा बिरमनाथ पुत्र देवनाथ को दस्तयाव कर गिरफ्तार किया गया।

शिविरा पंचांग 2026-27 में अवकाश कटौती पर शिक्षक संघ का विरोध

राजस्थान शिक्षक संघ (अंबेडकर) ने शिक्षा मंत्री को पत्र भेजा

संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि अवकाश कटौती को शीघ्र वापस नहीं लिया तो आंदोलन किया जाएगा

‘ग्रीष्मकालीन अवकाश को 30 जून के बजाय 20 जून तक सीमित करना प्रदेश की भीषण गर्मी को देखते हुए अनुचित है’

राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण वारुपाल ने इस कटौती को अव्यावहारिक बताया उन्होंने कहा कि ग्रीष्मकालीन, मध्यार्ध और संस्था प्रधान के विवेकाधीन अवकाशों में कमी शिक्षकों और छात्रों दोनों के हितों के खिलाफ है। प्रदेश महामंत्री सोहन जोहरम के अनुसार, ग्रीष्मकालीन अवकाश को 30 जून के बजाय 20 जून तक सीमित करना प्रदेश की भीषण गर्मी को देखते हुए अनुचित

है। साथ ही, संस्था प्रधान के विवेकाधीन अवकाश में कटौती से स्कूलों का संचालन प्रभावित होगा और प्रशासनिक जटिलताएँ बढ़ेंगी। संगठन ने बताया कि पूर्व में शिक्षा

राशिफल रविवार 5 अप्रैल, 2026



पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, रविवार, विक्रम संवत् 2083, विशाखा नक्षत्र रात्रि 12:08 तक, वज्र योग दिन 12:44 तक, विधि करण दिन 12:00 तक, चन्द्रमा सायं 5:28 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।
ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-तुला, मंगल-मीन, बुध-कुम्भ, गुरु-मिथुन, शुक्र-मेघ, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह
आज भद्रा दिन 12:00 तक है। आज संकट चतुरथी व्रत है। चन्द्रोदय जयपुर में रात्रि 9:56 पर होगा। आज इस्टर सण्डे है।
श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:50 से 9:24 तक, लाभ-अमृत 9:24 से 12:30 तक, शुभ 2:03 से 3:36 तक।
राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:17, सूर्यास्त 6:42

मेघ	सिंह	धनु
परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में आपसी सहयोग से महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।	परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/परिजन के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये-पुराने मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।	आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटक हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।
वृष	कन्या	मकर
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी।	स्वास्थ्य संबंधित मामलों का लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। किसी भी कारण से मन में भय बना रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। परिवार में वाद-विवाद हो सकते हैं।	महत्वपूर्ण कार्य में आ रही अड़चन दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।
मिथुन	तुला	कुंभ
परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकते हैं।	विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। दिनचर्या एवं स्वास्थ्य में सुधार होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा।	आज धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। संबंध में सकारात्मक आश्वासन/संदेश प्राप्त होगा। परिवार में सुख-सुविधाएँ बढ़ेंगी।
कर्क	वृश्चिक	मीन
परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।	घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों से तनाव बना रहेगा। समय अर्नाल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में संतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।	अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बने कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

अब तक का सबसे ज्यादा हिंसा प्रधान चुनाव होगा, बंगाल में

ममता बनर्जी इस बार राजनीतिक वातावरण को विषाक्त बना रही हैं, एक के बाद एक नई कहानी गढ़ कर प्रचारित करके

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 4 अप्रैल। बंगाल में बढ़ते तापमान और असहनीय उमस के साथ-साथ चुनाव प्रचार भी गर्माता जा रहा है। राजनीतिक दलों द्वारा फैलाए जा रहे झूठ, और खासकर वे, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी फैला रही हैं, हैरान कर रहे हैं। बंगाल की महिलाओं को संबोधित करते हुए, ममता ने कहा है कि भाजपा "लक्ष्मी भंडार" योजना के तहत उनके बैंक खातों में जमा पैसे चुराने या हड़पने की साजिश रच रही थी।

बात को घुमाने की महारथी ममता महिलाओं को चेतावनी दे रही है कि वे अपने बैंक खाते का विवरण उन अज्ञानियों को न बताएं, जो यह दावा कर रहे हैं कि वे पश्चिम बंगाल सरकार के हैं। उनका कहना है कि जैसे ही विवरण उपलब्ध होंगे, भाजपा उनके पैसे निकाल लेगी। साथ ही, वे यह भी कह रही हैं कि

- महिलाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, अगर कोई अजनबी उनसे उनके बैंक अकाउंट की "डिटेल" पूछे तो कतई मत दीजिए, क्योंकि आपके बैंक के खाते की डिटेल्स लेकर, भाजपा आपके एकाउंट में बंगाल की सरकार ने जो पैसा "लक्ष्मी भण्डार" योजना के तहत जमा करवाया है, वह निकाल लेगी।
- इससे पहले, एक के बाद एक आमसभा में, मंच से मु. मंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि अगर भाजपा प. बंगाल में सत्ता में आ गई तो "मछली व मांस के सेवन पर प्रतिबंध लगा देगी।"
- शायद ममता बनर्जी इन कहानियों को प्रतिपादित करके, कांग्रेस व भाजपा को रक्षात्मक मुद्रा में लाना चाहती हैं और ये राजनीतिक पार्टियाँ, तुणतुण कांग्रेस के खिलाफ प्रचार करने में असमर्थ हो जाएंगी, उनका परिश्रम तो अपनी पार्टियों के खिलाफ चलाए जा रहे मिथ्या प्रचार का जवाब देने में ही चला जाएगा।

सत्ता में आने पर भाजपा मीट, मछली, अंडा पर प्रतिबंध लगा देगी। ममता यह संदेश लगातार सार्वजनिक सभाओं में फैला रही हैं "न मछली, न मीट।" " इस तरह के सीधे और बेतुके हमलों का सामना करते हुए, अन्य राजनीतिक दल, जिसमें भाजपा भी शामिल है, टीएमसी पर हमले करने के बजाय, संकट प्रबंधन की स्थिति में दिख रहे हैं।

यह स्पष्ट नहीं है कि उनकी बातें सुन रहे लोग वास्तव में उन्हें किन्ती गंभीरता से ले रहे हैं। स्थिति जो भी हो, लेकिन परिस्थितियाँ बंगाल में लगातार आक्रामक होती जा रही हैं। ऐसे में, इस बार भी चुनावों के हिंसक होने का डर है।

जैसा कि पहले होता आया है, ममता यह कहानी चला रही हैं कि

भाजपा बंगाल की संस्कृति के अनुकूल नहीं है। अगर यह पहले उचित रूप से प्रसारित किया गया होता, तो भाजपा के बंगाल विंग में कुछ ऐसे जिद्दी बंगाली भी हैं, जो बंगाल की संस्कृति के लिए खड़े और अड़े हुये हैं। भाजपा के राज्य अध्यक्ष सांभिक भट्टाचार्य उनमें से एक हैं, जो एक सच्चे बंगाली हैं। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ओलावृष्टि व बारिश से राजस्थान में फसलें तबाह

नई दिल्ली, 04 अप्रैल। मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। देश के एक बड़े हिस्से में अचानक आए इस बदलाव ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश के कई राज्यों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 24 घंटों में कई राज्यों में तेज आंधी-तूफान के साथ भारी ओलावृष्टि और बिजली कड़कने

- मौसम विभाग ने समूचे उत्तर भारत से मध्य भारत तक भारी बारिश और अंधड़ की चेतावनी दी।

की संभावना है। इस दौरान हवा की रफ्तार 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। मौसम विभाग ने उत्तर से लेकर मध्य भारत तक के कई इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। इस सभी इलाकों में लोगों को सावधान रहने को कहा गया है। इसके अलावा, जम्मू-कश्मीर के लिए भी ऑरेंज अलर्ट है, जहां भारी बारिश के साथ बिजली गिरने की आशंका जताई गई है। देश के कई अन्य हिस्सों में येलो अलर्ट जारी किया गया है, जिसका मतलब है कि वहां मौसम खराब हो सकता है और लोगों को सचेत रहने की (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एस.आई. भर्ती परीक्षा- 2021 परीक्षा अन्ततोगत्वा रद्द हुई

परीक्षा रद्द करने के हाईकोर्ट को एकलपीठ के फैसले को बरकरार रखकर खंडपीठ ने सशय समाप्त किया

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 4 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट को खंडपीठ ने सब इंस्पेक्टर (एसआई) भर्ती-2021 की परीक्षा को रद्द करने वाले एकलपीठ के फैसले को बरकरार रखा है। अदालत ने राज्य सरकार को कहा है कि पेपरलीक में लिपि हुए लोगों को हटाने की कार्यवाही शुरू करनी चाहिए। अदालत ने यह भी कहा कि आर.पी.एस.सी. में राजनीति के आधार पर चयन नहीं होना चाहिए और चयन प्रक्रिया में आर.पी.एस.सी. में पारदर्शिता के लिए कानून लाया जाना चाहिए। कार्यवाहक न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा को खंडपीठ ने यह आदेश राज्य सरकार व अन्य की ओर से दायर अपीलों पर फैसला सुनाते हुए दिया। खंडपीठ ने गत 19 जनवरी को सभी पक्षों की बहस सुनकर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। खंडपीठ ने आर.पी.एस.सी. के तत्कालीन अध्यक्ष संजय श्रोत्रिय और तत्कालीन सदस्य मंजू शर्मा व संगीता आर्या सहित अन्य की अपीलों को भी खारिज कर दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा आर.पी.एस.सी. में सदस्य बनाई गई मंजू शर्मा व संगीता

- कार्यवाहक न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने आर.पी.एस.सी. के तत्कालीन अध्यक्ष संजय श्रोत्रिय व सदस्य मंजू शर्मा व संगीता आर्या की अपीलों को खारिज किया।
- हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को कहा है कि पेपरलीक में लिपि आर.पी.एस.सी. सदस्यों को तत्काल हटाने की कार्यवाही शुरू करे। साथ ही यह भी देखे कि आर.पी.एस.सी. में राजनीति के आधार पर चयन नहीं होना चाहिए और कानून बनाकर चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता लाएं।
- पेपरलीक रद्द करवाने के लिए मूल याचिकाकर्ता कैलाश चंद शर्मा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर.पी. सिंह ने कोर्ट में पैरवी की थी।

आर्या का कहना था कि उनका नाम एफ.आई.आर की चार्जशीट में गलत तरीके से जोड़ा गया है, क्योंकि जिन बाबुलाल कटारा व रामूराम राईका के जिन बयानों के आधार पर हमें आरोपी बनाया गया है, वे खुद पेपरलीक के मुख्य आरोपी हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि, इंटरव्यू में किसी अप्रत्यक्षी को ज्यादा अंक देकर फायदा पहुंचाने की साजिश

करना असंभव है, क्योंकि उम्मीदवारों की संख्या बहुत ज्यादा होती है। यह किसी सदस्य को पूर्व में मालूम नहीं होता कि, कौन अप्रत्यक्षी कहा जाकर इंटरव्यू देगा। वहीं अदालत ने एकलपीठ की ओर से आर.पी.एस.सी. की कार्यशैली को लेकर स्वप्रेणा से प्रसन्न लेकर (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केरल में शशि थरूर के काफिले का रास्ता रोका

रास्ता रोकने वाले झुण्ड ने थरूर के सुरक्षा स्टाफ पर हमला भी किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 4 अप्रैल। कांग्रेस सांसद शशि थरूर का काफिला कथित तौर पर केरल के मलपुरम जिले में रोका गया और उनकी टीम के एक सुरक्षाकर्मी पर हमला किया गया। यह घटना शुक्रवार को हुई। कांग्रेस सांसद थरूर जब एक चुनावी अभियान कार्यक्रम के सिलसिले में वांडूर में जा रहे थे, तो उनका काफिला थिरुवली चेल्लीथोडु ब्रिज के पास रोक गया। प्रदर्शन स्थल से आया एक वीडियो दर्शा रहा है कि तिरुवनंतपुरम सांसद फ्रंट सीट पर बैठे हैं और उनके वाहन के आसपास लोग घिरे हुए हैं। कुछ को चिल्लाते हुए सुना जा सकता है। 70 वर्षीय कांग्रेस नेता ने शनिवार सुबह एक्स पर इस घटना की पुष्टि की।

- घटना मलपुरम जिले की है, जहाँ थिरुवल्ली पुल के पास कुछ लोगों ने थरूर के काफिले का रास्ता रोका, सुरक्षा स्टाफ से मारपीट की। घटना का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।
- थरूर ने भी एक्स पर एक पोस्ट में घटना की पुष्टि की, और सभी शुभचिंतकों का आभार जताया।

सांसद ने एक्स पर पोस्ट किया, "कल रात हुई अप्रिय घटना में जब मेरे सुरक्षा गार्ड पर हमला किया गया, तो उसके प्रति चिंता जताने वाले सभी संदेशों और कॉल्स ने सचमुच मेरे हृदय को छू लिया है वे (गार्ड) सुरक्षित हैं और मैं अप्रभावित रहा। सभी मित्रों और शुभचिंतकों का धन्यवाद।" उन्होंने यह भी कहा कि काफिला आगे बढ़ा और उन्होंने घटना के बाद दो

और कार्यक्रम सम्पन्न किए। उन्होंने कहा, "हमने कल निडर होकर अपने कार्यक्रम को जारी रखा और दो और कार्यक्रम योजनानुसार पूरे किए। और हमारा कार्यक्रम प्रभावित नहीं हुआ।" सुरक्षा कर्मियों की शिकायत के आधार पर वांडूर पुलिस ने मामला दर्ज किया है, तीन लोगों को हिरासत में लिया है और दो वाहनों को जब्त किया गया है।

रुद्रप्रयाग (उत्तराखंड), 04 अप्रैल। अप्रैल माह की शुरुआत के साथ ही मौसम ने एक बार फिर करवट ले ली है। विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम में बीती रात से लगातार बर्फबारी हो रही है, जिससे पूरे क्षेत्र में फिर से बर्फ की मोटी चादर बिछ गई है। हाल ही में जिन रास्तों से बर्फ हटाई गई थी, वे एक बार फिर पूरी तरह बर्फ से ढक गए हैं। मंदिर परिसर भी पूरी तरह बर्फ से आच्छादित हो गया है। लगातार हो रही बर्फबारी से

- अक्षय तृतीया 22 अप्रैल को कपाट खुलने को लेकर प्रशासन में भारी चिंता।

वहां चल रहे यात्रा तैयारियों के कार्य प्रभावित हो गए हैं। मजदूरों द्वारा की गई कड़ी मेहनत पर मौसम ने पानी फेर दिया है, जिससे व्यवस्थाओं को फिर से पंढरी पर लाने की चुनौती सामने खड़ी हो गई है। बताया जा रहा है कि इस बार अप्रैल में भी मौसम सामान्य नहीं है और लगातार खराब बना हुआ है। ऐसे में (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'केजरीवाल पर चट्टा के खिलाफ एक्शन का दबाव डाला गया'

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने नाम गोपनीय रखते हुए भी यह भी कहा कि पार्टी का एक गुट राघव की बढ़ती लोकप्रियता से जलता है

-डॉ. सतीश मिश्रा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 4 अप्रैल। पार्टी नेतृत्व से आहत आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने खुद पर लगाये गये सभी आरोपों को खारिज कर दिया और पार्टी में अपने आलोचकों को चुनौती दी कि वे एक भी ऐसा उदाहरण पेश करें, जब उन्होंने संसदीय कार्यवाही में भाग नहीं लिया। राज्यसभा सांसद चड्ढा ने शनिवार को कहा, "मैं संसद में प्रभाव पैदा करने जाता हूँ, शोर मचाने नहीं।" उन्होंने आरोपों को "झूठा" और "संगठित अभियान का हिस्सा" बताया। एक वीडियो में, चड्ढा ने यह दावा खारिज किया कि उन्होंने विपक्षी बहिष्कारों में हिस्सा नहीं लिया, और इसे "सफेद झूठ" बताया। अपने वीडियो को फिल्म

- राघव चड्ढा ने भी आम आदमी पार्टी नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और संसदीय कार्यवाही में शामिल नहीं होने के आरोप को सरासर झूठा बताया।
- राघव ने कहा, संसद कर दाताओं के पैसे से चलती है, वे वहाँ काम करने जाते हैं, हल्ला करने नहीं। उन्होंने विपक्ष के वाक आउट में शामिल नहीं होने के आरोप को भी झूठा बताया।
- मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने के मसले पर उन्होंने कहा, उनसे किसी भी पार्टी नेता ने प्रस्ताव पर साइन करने के लिए नहीं कहा था।
- एक्स पर पोस्ट किए गए अपने वीडियो संदेश में राघव चड्ढा ने भविष्य की रणनीति के बारे में कोई स्पष्ट संकेत तो नहीं दिया पर धुरंधर फिल्म के डायलॉग से अपनी मंशा जता दी कि वे कुछ तो प्लान कर रहे हैं, राघव ने कहा "घायल हूँ इसलिए घातक हूँ।"

धुरंधर की एक लोकप्रिय पंक्ति के साथ खत्म करते हुए, चड्ढा ने कहा: "घायल हूँ, इसलिए घातक हूँ।" उन्होंने अपने आलोचकों को चुनौती दी कि वे एक भी उदाहरण पेश

करें, जब उन्होंने संसदीय कार्यवाही में भागीदारी नहीं की, और कहा कि संसदीय कार्यवाही सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड की जाती है। मुद्दे भाषा और वाक्पटु चड्ढा ने यह भी खारिज किया

कि उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त से संबंधित प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने से मना किया। उन्होंने कहा कि किसी भी पार्टी (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रम्प का ईरान को 48 घंटे का अल्टीमेटम

वॉशिंगटन, 04 अप्रैल। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान होर्मुज स्ट्रेट खोलने के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि तय समय में यह जलमार्ग नहीं खोला गया, तो अमेरिका कड़ी कार्यवाही कर सकता है। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म "ट्रथ सोशल" पर पोस्ट करते

- ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि पहले ईरान को दस दिन का समय दिया था पर अब घटाकर 48 घंटे कर दिया है।

हुए कहा कि समय तेजी से खत्म हो रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि पहले ईरान को 10 दिन का समय दिया गया था, लेकिन अब यह अवधि घटाकर 48 घंटे कर दी गई है। होर्मुज स्ट्रेट वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण मार्ग है, जहां (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका के राजनैतिक पटल पर एक और भारतीय रिनी संपत का उदय

रिनी वॉशिंगटन डीसी के मेयर चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से प्रत्याशी बनने के लिए चुनाव मैदान में हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 4 अप्रैल। अमेरिकी राजनीतिक परिदृश्य पर एक और भारतीय अमेरिकन नेता उभर रही हैं। ये हैं 31 वर्षीय रिनी संपत, तमिलनाडु के थेनी की मूल निवासी, जो वॉशिंगटन डीसी मेयर के चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार के रूप में अपनी दावेदारी पेश कर रही हैं। वे एक सरकारी ठेकेदार हैं और शहर में मेयर प्राइमरी बैलेट पर दिखाई देने वाली पहली दक्षिण एशियाई हैं। उनका अभियान "फिक्स द बेसिक्स" (बुनियादी समस्याओं में सुधार) पर केन्द्रित है, जिसमें बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर, कम लागत और सार्वजनिक सेवाओं में सुधार का वादा किया गया है। वे खुद को राजनीतिक बाहरी के रूप में पेश कर रही हैं।

रिनी संपत एक भारतीय-अमेरिकी प्रोफेशनल और उभरती राजनीतिक हस्ती हैं, जो 2026 के वॉशिंगटन डीसी मेयर चुनाव में हिस्सा ले रही हैं। थेनी में जन्मी संपत सात वर्ष की आयु में अमेरिका चली गईं। वे 31 वर्ष की हैं और एक दशक से अधिक समय से वॉशिंगटन डीसी में रह रही हैं। प्रोफेशनल रूप से, वे सरकारी ठेकेदार और साइबर सिक्योरिटी प्रोफेशनल के रूप में काम करती हैं। संपत ने युनिवर्सिटी ऑफ सादर कैलिफ़ोर्निया में पढ़ाई की, जहां 2015 में छात्रसंघ अध्यक्ष के रूप में पूरे प्रदेश का ध्यान आकर्षित किया। युनिवर्सिटी में अपने समय के दौरान, उन्होंने कैम्पस सुरक्षा, विविधता और छात्र अधिकारों की कवालत की और नस्लवाद और उन्प्रेम के खिलाफ आवाज उठाई।

- 31 वर्षीय रिनी जब सात साल की थी, तब अपने परिवार के साथ तमिलनाडु से अमेरिका गई थी।
- युनिवर्सिटी ऑफ सादर कैलिफ़ोर्निया में पढ़ी रिनी सम्पत वहाँ छात्रसंघ अध्यक्ष के रूप काफी चर्चित थीं। वर्तमान में वे साइबर सिक्योरिटी प्रोफेशनल होने के साथ-साथ सरकारी ठेकेदार भी हैं।
- अगर उन्हें डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से मेयर पद का प्रत्याशी चुन लिया जाता है तो वे मेयर चुनाव के मत पत्र पर नजर आने वाली पहली दक्षिण एशियाई हस्ती होंगी।

वे 2026 वॉशिंगटन डीसी मेयर चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार के रूप में भाग ले रही हैं। विशेष रूप से, वे इस पद के लिए प्रतिस्पर्ध करने वाली पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवारों में शामिल हैं।

संपत खुद को पोलिटिकल आउटसाइडर के रूप में प्रस्तुत करती हैं, जो स्थापित राजनीतिक समूहों से जुड़ी हुई नहीं हैं। उनका अभियान "फिक्स द बेसिक्स" के थीम पर केन्द्रित है, जिसमें शामिल हैं: इन्फ्रास्ट्रक्चर सुधार

(सड़कों, गड्ढों की मरम्मत), पोर्टोमैक नदी में अपशिष्ट जल की समस्याओं का समाधान, आपातकालीन सेवाओं, जैसे 911 का रैस्पॉन्स देने के समय में सुधारा। उन्होंने मौजूदा नेतृत्व की आलोचना करते हुए कहा कि शहर की सरकार बुनियादी सेवाओं में विफल रही है। संपत ने वॉशिंगटन डीसी में अपने चुनाव में भाग लेने का निर्णय खराब शहर सेवाओं, जैसे बर्फीले तूफान पर रैस्पॉन्स प्रतिक्रिया, और इन्फ्रास्ट्रक्चर की विफलताओं से उत्पन्न निराशा के कारण लिया। वॉशिंगटन डीसी में डेमोक्रेट्स का वर्चस्व है और 1975 के बाद से इस शहर में कभी भी रिपब्लिकन मेयर नहीं रहे। इसके पहले, शहर का प्रशासन अमेरिका के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त कमिश्नरों के बोर्ड द्वारा चलाया जाता

था। कोलंबिया जिले का प्रशासन लोकप्रिय रूप से चुने गए मेयर और 13 सदस्यीय जिला परिषद द्वारा किया जाता है। उन्होंने कहा, "वॉशिंगटन डीसी के मेयर के रूप में मेरी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना होगी कि हमारा शहर अपने निवासियों के प्रति अपनी बुनियादी जिम्मेदारियों को पूरा करे। प्रशासन गड्ढों को भरें। पोर्टोमैक में विनाशकारी अपशिष्ट जल रिसाव को रोके। कोमटें कम करें। 911 की प्रतीक्षा समय में सुधार करें।" प्राइमरी चुनाव 16 जून को और आम चुनाव 3 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। मेयर चुनाव में अन्य उम्मीदवार हैं, जनीस लुईस जॉर्ज, केन्यन मैकडफो, गैरी गुडवेदर, रॉबर्ट एल ग्रांस और रॉन्डा हैमिल्टन।

नासिक में बड़ा हादसा

नासिक, 04 अप्रैल। महाराष्ट्र के नासिक जिले के दिंडोरी तालुका में देर रात एक भीषण सड़क दुर्घटना ने पूरे इलाके को सदमे में डाल दिया। एक मारुति एक्सप्ल 6 कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित पानी से भरे कुएं में जा गिरी, जिसमें सवार नौ लोगों

- कुएं में कार गिरने से एक ही परिवार के नौ सदस्यों की मौत।

की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के नौ सदस्य शामिल थे। हादसा शुक्रवार रात दिंडोरी शहर के शिवाजी नगर इलाके में हुआ। पुलिस के अनुसार, पीड़ित लोग दिंडोरी तालुका के इंदौर गांव के दरगुडे परिवार के सदस्य थे। मृतकों की पहचान सुनील दत्त दरगुडे (32), उनकी पत्नी रेशमा, आशा अनिल दरगुडे (32) और परिवार के छह बच्चों के रूप में हुई है। इन बच्चों में सात से 14 साल की उम्र की पांच लड़कियां और 11 साल का एक लड़का शामिल है। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग बेटे ने पिता की हत्या को लेकर मां के खिलाफ कोर्ट में गवाही दी

कोर्ट ने बच्चे के मौखिक बयान सुनने के बाद आगे की गवाही को अगली तारीख तक के लिए स्थगित किया

अलवर, (निर्स)। अलवर में 7 जून 2025 को महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर पति का मर्डर कर दिया था। कोर्ट में शनिवार को मां के खिलाफ नाबालिग बेटे ने गवाही दी। कोर्ट ने बच्चे के मौखिक बयान सुनने के बाद आगे की गवाही को अगली तारीख तक के लिए स्थगित (डेफर) कर दिया। बेटे ने बताया कि आरोपियों ने मेरे पापा की गर्दन मरोड़ दी, मुझे मारे, दांत तोड़ दिए और नाखूनों से उनके शरीर पर निशान बना दिए। मेरे सामने पापा तड़पते रहे। मैं छिपकर सब देखता रहा।

जानकारी के अनुसार खेड़ली कस्बे में पत्नी अनीताराज ने अपने प्रेमी काशी और उसके साथियों के साथ मिलकर अपने पति वीरू की बेरहमी से हत्या करवा दी थी। इस पूरी घटना का चरमदीय गवाह उसका नाबालिग बेटा ही है, जिसने अब कोर्ट में सात जून की रात की पूरी कहानी बयान की। बेटे ने बताया कि घटना वाली रात मेरे पापा घर आए और फोन चार्ज पर लगाने के लिए कहा। मैं फोन चार्ज पर लगाकर टीवी देखने लगे। इसी दौरान मेरी मां ने मुझे सोने के लिए कहा। वह टीवी और हॉटस्पॉट बंद करके सो गया। देर रात काशी (आरोपी) घर आया, जिसके लिए मां ने दरवाजा खोला। काशी के साथ चार अन्य लोग भी थे, जिन्हें वह नहीं



अनिता जाटव आरोपी पत्नी, काशीराम प्रजापत आरोपी प्रेमी, मृतक वीरू जाटव।

जानता था। बच्चे ने बताया कि काशी पहले भी घर आता-जाता था और उसे खाने-पीने की चीजें, जैसे काजू कतली, लाकर देता था। उस रात काशी ने मेरे पिता के मुंह पर तकिया रख दिया, जबकि पिता बाहर चारपाई पर सो रहे थे। जब पिता ने बचने की कोशिश की, तो काशी के साथ आए चार लोगों ने उनके हाथ-पैर पकड़ लिए और उन्हें मोड़ने लगे। काशी ने मेरे पिता से कहा कि अब बोल ना, अब क्यों नहीं बोलता। इसी दौरान मेरी मां ने कहा कि इस वीरू को मार



दो, बेटे को मत मारना। इसके बाद काशी ने गर्दन मरोड़ दी, मुझे मारे, दांत तोड़ दिए और नाखूनों से शरीर पर निशान बना दिए। बेटे ने आगे बताया कि जब वह अपने पिता को बचाने की कोशिश कर रहा था, तो काशी ने उसे अंदर फेंक दिया। इसके बाद वह अंदर छिपकर पूरी घटना देखता रहा। जब उसके पिता की मौत हो गई, तो उसकी मां ने कहा- ये तो मर गया, अब क्यों नहीं बोलता। आरोपियों के जाने के बाद मां ने शव पर कंबल डाल



दिया और मुंह और नाक से निकले खून को साफ किया। मां और काशी दोनों ने मुझे धमकाया और कहा कि किसी को कुछ मत बताना, अगर कोई पूछे तो कह देना कि वह सो रहा था। पुलिस के अनुसार, अनीताराज ने वीरू से 2001 में प्रेम विवाह किया था। अनीता का पहले से एक बेटा था, जिसे छोड़कर उसने वीरू से शादी की थी। इसके बाद में उसे वीरू से भी एक बेटा हुआ। उसी बेटे ने अब अपनी मां के खिलाफ कोर्ट में गवाही देकर पूरे

■ बेटे ने बताया कि आरोपियों ने मेरे पापा की गर्दन मरोड़ दी, मुझे मारे, दांत तोड़ दिए और नाखूनों से शरीर पर निशान बना दिए, पापा तड़पते रहे और मैं छिपकर सब देखता रहा

मामले का खुलासा किया। घटना के बाद तड़के करीब चार बजे अनीता ने रिश्तेदारों और परिजनों को फोन कर बताया कि उसके पति की तबीयत खराब है। इसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार ने इस मामले में हत्या का शक जताते हुए पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की और करीब 100 सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिससे पूरे घटनाक्रम का खुलासा हुआ। फिलहाल कोर्ट में मामले की सुनवाई जारी है। अगली तारीख पर नाबालिग गवाह की गवाही दर्ज की जाएगी। इसके बाद अन्य गवाहों को सुनने के बाद फैसला सुनाया जाएगा।

शराब से भरी जीप जब्त, एक गिरफ्तार

उदयपुर, (निर्स)। शहर के धामण्डी थाना पुलिस एवं यातायात पुलिस ने कारवाई करते हुए अवैध शराब से भरी कार जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक राजेश यादव, अशोक आंजना के सपुराविजन में धामण्डी थानाधिकारी जगदीश कुमार मय टीम एवं यातायात पुलिस से संयुक्त कार्रवाई करते हुए देहलीगोट पर जीप को जिसके आगे व पिछे अलग-अलग नंबर होने से रोक कर तलाशी ली। इस पर उसमें 220 बोतल एवं 92 पच्चे शराब के मिले। इस पर चालक अविनाश कुमार पुत्र सुरेश भाई को गिरफ्तार किया। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

अजमेर में महिला कपड़ा व्यापारी के साथ 94 लाख की ठगी

अजमेर, (निर्स)। शहर में एक महिला कपड़ा व्यापारी के साथ 94 लाख रुपये की बड़ी धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि दो सगे भाइयों ने डॉलर में भुगतान कराने और खर्चा बचाने का झांसा देकर नकद राशि ले ली, लेकिन न तो चीन में ऑर्डर कराया और न ही पैसे लौटाए। पीड़िता की शिकायत पर कुष्णांज थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार अभियंता नगर, चैसियावास रोड निवासी हेमा पारवानी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि वह पूर्व में चीन में कपड़ों का कारोबार करती थी, लेकिन कोरोना काल के बाद अजमेर में रह रही है। हाल ही में उन्होंने अपने परिचितों और रिश्तेदारों के साथ मिलकर चीन की एक कंपनी को करीब

■ आरोप है कि दो सगे भाइयों ने डॉलर में भुगतान कराने और खर्चा बचाने का झांसा देकर नकद राशि ले ली, लेकिन न तो चीन में ऑर्डर कराया और न ही पैसे लौटाए

एक लाख डॉलर के लेगिंस का ऑर्डर दिया था। इस दौरान उनके पति के परिचित कमल तिलोकानी और उसके भाई सुमित तिलोकानी ने उन्हें सलाह दी कि यदि वे भारत में ही नकद राशि दे दें तो वे डॉलर में भुगतान कर देंगे। आरोपियों ने यह भी कहा कि इससे टैक्स के अलावा मुद्रा परिवर्तन का अतिरिक्त खर्च बच जाएगा। उनकी बातों में आकर पीड़िता ने 15 से 17 जनवरी के बीच अलग-अलग परिचितों और रिश्तेदारों से रकम एकत्र कर 94 लाख 28 हजार 100 रुपये

नकद आरोपियों को सौंप दिए। रिपोर्ट में बताया गया कि काफी समय बीतने के बाद भी जब चीन की कंपनी को भुगतान नहीं हुआ तो पीड़िता को संदेह हुआ। इस पर संपर्क करने पर आरोपी सुमित उर्फ सनी ने एक फर्जी रसीद थमा दी। इसके बाद भी न तो ऑर्डर किया गया और न ही राशि वापस की गई। मामले में कुष्णांज थाना पुलिस ने धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है और पूरे लेन-देन की जांच की जा रही है।

मादक पदार्थ में लिप्त तीन जने गिरफ्तार

कोटा, (निर्स)। सांगोद पुलिस टीम ने अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा की खरीद-फरोख में लिप्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि सांगोद थानाधिकारी अनिल कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने थाना बपावर कला के एनडीपीए एक अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा की खरीद-फरोख के दर्ज प्रकरण में कार्रवाई करते हुए तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने मामले में जिला बारां के कालपा जागीर निवासी रामस्वरूप, जिला बारां के भीलखेड़ा सेतकौल निवासी सोनु लववंशी और जिला बारां के लाबांखेड़ा निवासी सोनु कुमार को गिरफ्तार किया है, पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

अवैध सिलिका रेत से भरे डंपर जब्त, जुर्माना वसूला

बीकानेर, (निर्स)। खनन विभाग की ओर से अवैध रेत से भरे पांच डंपर जब्त किए हैं। इसके साथ ही चार लाख से ज्यादा का जुर्माना लगाया है। जानकारी के अनुसार कलैक्टर निशांत जैन ने पहली ही बैठक में साफ कर दिया था कि गडबडी करने पर सीधे कार्रवाई होगी। ऐसे में खनन विभाग भी एक्टिव मोड पर आ गया है। खनन और पुलिस विभाग ने मिलकर बड़ी कार्रवाई करते हुए लाखों रुपये की सिलिका रेत ले जा रहे वाहनों की धरपकड़ की गई है। खनिज अंधियारा एमपी प्रोहित ने बताया कि एक डंपर अवैध सिलिका रेत

से भरा हुआ पकड़ा था, जिसे श्रीद्वारगढ़ थाने ले जाया गया। जबकि दो अन्य डंपर मौके से बरामद हुए थे। इन तीनों वाहनों पर कुल 4 लाख 76 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया, जिसमें से 2 लाख 88 हजार रुपये की राशि मौके पर ही वसूल ली गई। वहीं लाइ क्षेत्र में भी कार्रवाई करते हुए सिलिका रेत से भरे दो डंपरों को जब्त किया गया। इन वाहनों पर 2 लाख 88 रुपये जुर्माना लगाते हुए पूरी राशि की वसूली कर ली गई। प्रोहित ने बताया कि अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफ विभाग द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है।

अधेड़ ने फंदा लगाकर जान दी

जोधपुर, (कासं)। शहर के सूरसागर पुलिस थाना क्षेत्र में नई रकासनी गांव में रहने वाले एक अधेड़ ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। आत्महत्या का कारण पत्त नहीं चला है। शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया गया। सूरसागर थाना पुलिस ने बताया कि नई रकासनी निवासी 45 साल के नरेश पुत्र ओमप्रकाश ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी की। उसके आत्महत्या का पता लगाने पर फंदा उतारकर अस्पताल ले जाया गया, मगर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया। उसके भाई मनीष की तरफ से पुलिस में मर्मा की रिपोर्ट दी गई।

जयपुर : प्रेमप्रकाश मंडल के चैत्र मेले में वासुदेव देवनानी ने शिरकत की

अजमेर, (निर्स)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जयपुर के अमरापुर स्थान पर आयोजित प्रेमप्रकाश मंडल के 105 वें वार्षिक चैत्र मेले में भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित किया। इस अवसर पर देवनानी ने विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और प्रभु भक्ति में लीन होकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। मेले में उमड़ी श्रद्धालुओं की विशाल भीड़ और भक्तिमय वातावरण ने आयोजन को भव्य एवं दिव्य स्वरूप प्रदान किया।

देवनानी ने संतों के सानिध्य में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विकास को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि यह मेला भाईचारे, सेवा भावना और ईश्वर के प्रति अटूट आस्था का प्रतीक है, जो समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है।



विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जयपुर के अमरापुर स्थान पर आयोजित प्रेमप्रकाश मंडल के वार्षिक चैत्र मेले में धर्मलाभ लिया।

उन्होंने भजन-कीर्तन और सेवा कार्यों से परिपूर्ण इस आयोजन को प्रेरणादायक बताते हुए संतों से

आशीर्वाद प्राप्त किया और कहा कि संतों के विचार समाज के कल्याण के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। अंत में

उन्होंने प्रदेश और देशवासियों के सुख, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

बीकानेर कलैक्टर ने फसल के नुकसान का सर्वे कर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिये

बीकानेर में बारिश-ओलावृष्टि से फसलें तबाह, गेहूं-ईसबगोल की खेती बर्बाद

बीकानेर, (निर्स)। बीकानेर जिले में बारिश-ओले गिरने से फसलें उजड़ गईं और गेहूं की खेती बर्बाद हो गई। ईसबगोल की 70 प्रतिशत फसल खराब हो गई। किसानों का कहना है कि अब तो घर में खाने का भी संकट हो गया है। शुक्रवार को बीकानेर में बारिश के साथ गिर ओलों की चादर सी बिछ गई थी। बीकानेर कलैक्टर निशांत जैन ने अफसरों को नुकसान का सर्वे कर जल्द से जल्द रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए।

जानकारी के अनुसार लूणकरणसर, अरजनसर और महाजन इलाके में शुक्रवार को ओले गिरे, खेतों में बर्फ की चादर बिछ गई। किसानों ने खेत से निकली बर्फ की सिल्ली दिखाई। ये भी दिखाया

■ लूणकरणसर, अरजनसर और महाजन इलाके में ओले गिरे थे

कि अब तक जड़ों में बर्फ जमी है। अरजनसर के किसान शिव कुमार शर्मा कहते हैं कि बीकानेर में गेहूं, ईसबगोल और तारामीरा की फसलें खेत में कटाई के लिए पड़ी थीं, तो कुछ कटी हुई रखी थीं। लूणकरणसर, अरजनसर के किसानों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। शिव कुमार का कहना है कि लूणकरणसर तहसील के रामसरा, चक असरसर, चक 99 आरडी, चक 103

आरडी, नया खानीसर और चक जोड़ तक फसलें खराब हुई हैं। इसके आगे श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ तक इसका असर हुआ है। सूरतगढ़ के मोकलसर, चक 79, चक 85, चक 92 आरडी और रजवियार गांव की रोहरी में भी ओलावृष्टि से भारी नुकसान हुआ है। यह पूरा क्षेत्र एक पट्टी के रूप में प्रभावित हुआ है। ये पूरा परिया करीब 175 किमी का है। शिव कुमार कहते हैं- मैंने 50 बीघा में गेहूं की फसल की थी। ये कटने को तैयार थी, इससे पहले आसमान से बरसी आफत ने पूरा नुकसान कर दिया। मेरी 100 फीसदी फसल खराब हो गई। ठीक वैसे ही स्थिति महाजन क्षेत्र के किसान शक्ति सिंह की है। शक्ति सिंह का कहना है कि मैंने 50

बीघा जमीन पर गेहूं की बुवाई की थी। बीच-बीच में हुई बारिश से फसल अच्छी तरह पक चुकी थी और जल्द ही अच्छी कमाई की उम्मीद थी। शुक्रवार को हुई ओलावृष्टि ने सब बर्बाद कर दिया। मेरा पूरा खेत बर्फ से ढक गया, जो गेहूं की फसल 1 दिन पहले तक खड़ी थी, वह बर्फ के नीचे बंद गई। लूणकरणसर के किसान नरेंद्र कड़वासरा ने बताया कि इस पूरे इलाके में 500 बीघा के इलाके में फसल बर्बाद हो गई है। एक बीघा में औसतन 15 क्विंटल गेहूं होता है। इस हिसाब से 50 बीघा वाले किसान की करीब 750 क्विंटल गेहूं की उपज नष्ट हो गई। किसान को लाखों का नुकसान हुआ है।

हत्या के आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर (निर्स)। ऋषभदेव थाना पुलिस ने बालिका की हत्या कर शव को फांसी पर लटकाने वाले मुख्य आरोपी के साथी को गिरफ्तार कर वारदात में प्रयुक्त बाइक जब्त की। इस मामले में मुख्य आरोपी घटना के बाद आत्महत्या कर चुका है।

जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उप अधीक्षक राजीव राहर के निर्देश पर ऋषभदेव थानाधिकारी हेमंत अहारी के नेतृत्व में गठित दल ने नाबालिग बालिका क अपहरण कर उसकी हत्या कर शव को फांसी के फंदे पर लगाने वाले मुख्य आरोपी मगनलाल ने भी फांसी लगा आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में आरोपी मगन का सहयोग करने वाले विनोद पुत्र कमलेश निवासी बिलख सोमावत देवीघाटी ऋषभदेव को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर इसके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद की।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म

सूरतगढ़, (निर्स)। सिटी थाने में एक युवती ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और आपत्तिजनक वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने आरोपित सहित तीन लोगों के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रतियोगी परीक्षाओं को तैयारी कर रही युवती ने रिपोर्ट दी है कि करीब चार वर्ष पहले उसकी पहचान आरोपी से हुई थी। पढ़ाई के सिलसिले में दोनों की मुलाकातें होती रहती थी। युवती ने बताया कि आरोपी ने एक दिन जन्मदिन मनाने के बहाने उसे कमरे पर बुलाया और मिठाई खिलाई, जिसके बाद वह बेहोश हो गई। आरोप है कि इसी दौरान आरोपी ने उसके साथ रेप किया और आपत्तिजनक वीडियो बना लिया। होश में आने पर विरोध करने पर आरोपित ने शादी का झांसा देकर उसे शांत कराया। इसके बाद वीडियो

सोशल मीडिया पर डालने की धमकी देकर कई बार उसके कमरे और आरोपित के कमरे के अलावा शहर के कुछ होटलों में भी दुष्कर्म किया। युवती के अनुसार इस दौरान वह गर्भवती हो गई तो आरोपित उसे एक डॉक्टर के पास ले गया और दवाइयों से गर्भपात करा दिया। पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया गया कि बाद में आरोपी ने शादी से इनकार कर दिया और वीडियो से ब्लैकमेल करता रहा। युवती ने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसे झांसे में लेकर फोन-पे के माध्यम से कई बार पैसे भी लिए और उसकी सोने की जैन व अंगुठी भी ले गया। युवती ने आरोपी के मामा पर भी धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने युवती की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच एसआई नगेन्द्र सिंह को सौंपी गई है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

कोटा, (निर्स)। दादाबाड़ी थाना इलाके में दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बाइक सवार युवक कार्य से लौटकर घर की ओर जा रहा था, कि दादाबाड़ी इलाके के शिवपुरा में सामने से आ रही बाइक से टक्कर हो गई। हादसे में घायल युवक को उपचार के लिये अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। दादाबाड़ी थाने के एसएसआई वहीद अहमद ने बताया कि मृतक शिवपुरा निवासी किशनचंद (35) था, जो शुक्रवार रात्रि को बाइक से कार्य से घर की ओर जा रहा था, कि शिवपुरा क्षेत्र में सामने से आ रहे बाइक सवार से टक्कर मीणा पर पड़ा तथा उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

श्रीगंगानगर में नशे की ओवरडोज से दो युवकों की मौत

मृतकों में से एक युवक की पहचान नहीं हो पाई

श्रीगंगानगर, (निर्स)। जिला मुख्यालय पर दो युवकों की नशे की ओवरडोज से मौत हो गई। एक युवक की पहचान नहीं हो पाई। दूसरे युवक की मौत उसी समय हुई, जब उसके पिता का सड़क हादसे में निधन होने पर गांव में अंतिम संस्कार किया जा रहा था। पहला मामला जवाहरनगर थाना क्षेत्र का है। ड्यूटी अधिकारी एएसआई गुरदीपसिंह के अनुसार सुबह करीब 10 बजे सूचना मिली कि मौसम विभाग रोड पर छजगरिया बस्ती के उत्तर की तरफ खाली जगह एक युवक अचेत पड़ा है। पुलिस मौके पर पहुंची तब युवक की नब्ब चला रही थी। युवक को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के दौरान आधे घंटे बाद उसकी मौत हो गई। मृतक 29 वर्षीय जगसीरसिंह संगरूर जिले की घुरी तहसील के गांव समुदरगढ़ का रहने वाला था। वह श्रीगंगानगर में एक निजी

■ दूसरे युवक की मौत उस समय हुई, जब उसके पिता का सड़क हादसे में निधन होने पर गांव में अंतिम संस्कार किया जा रहा था

चिकित्सा संस्थान में सिक्योरिटी गार्ड की नोकरी करता था। एएसआई गुरदीपसिंह ने बताया कि उसके पिता कश्मीरसिंह जटसिख का सड़क हादसे में निधन हो गया था। गांव में उनका अंतिम संस्कार हो रहा था। उसी समय बेटे की भी मौत हो गई। दो दिन में पिता-पुत्र की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। जगसीरसिंह माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसको दो बहनें हैं। दोनों शादीशुदा हैं। वह अविवाहित था। एक बहन का ससुराल सरवर खुईयां गांव

में है। वह कनाडा में रहती है। युवक के पास मोबाइल फोन नहीं मिला। कागजों में एक मोबाइल नंबर मिला। उस पर फोन किया गया। बहन से बात हुई तो उसने अपने भाई के निधन की सूचना अपने ससुर चरणजीतसिंह को दी। सूचना मिलने के बाद वे श्रीगंगानगर पहुंचे। पोस्टमार्टम के बाद शव गांव स्थित घर ले जाया गया।

मेडिकल कॉलेज के बगल वाली रोड के किनारे झाड़ियों में मृत मिला दूसरा मामला सदर थाना क्षेत्र में सामने आया। ड्यूटी अधिकारी हैड कांस्टेबल सत्यनारायण कूकणा ने बताया कि सरकारी मेडिकल कॉलेज के साथ सदमानानगर वाली रोड पर विकासपुरी की ओर एक फैंकटी के सामने झाड़ियों में युवक मृत मिला। युवक के पास पानी का मग पड़ा था। एक सीरिज भी मिली। उसके हाथ से खून बहकर जमीन पर जमा था।

परीक्षा सील्ड बाॅक्स की फोटो स्टेट्स पर लगाई, सरकारी कर्मचारी सस्पेंड

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में आयोजित में उप निरीक्षक/प्लाटून कमाण्डर संयुक्त परीक्षा 2025 के सील्ड बंद स्टील बाॅक्स के फोटो खींचकर स्टेट्स लगाया सरकारी कर्मचारी को भारी पड़ गया। सरकारी कर्मचारी दीपक को विभाग की तरफ से सस्पेंड कर दिया गया। परीक्षा आयोजन तीन अप्रैल को हुआ था। इसके खिलाफ उदयमंदिर थाने में शिक्षा विभाग की तरफ से परिवार भी दिया गया है। उदयमंदिर थानाधिकारी सीताराम

खोजा ने बताया कि 3 अप्रैल को उप निरीक्षक/प्लाटून कमाण्डर संयुक्त परीक्षा 2025 की सील्ड बंद स्टील बाॅक्स को कोपालय में रखते हुए सरकारी कार्मिक दीपक गहलौत ने फोटो खींच ली। बाद में उसे अपने मोबाइल के स्टेट्स पर लगा दिया। इसका पता लगने पर उसे विभाग की तरफ से निलंबित करने के आदेश जारी हो गए। वह रावकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आसोप भोपालगढ़ में बैसिक कंप्यूटर अनुदेशक लगा हुआ है। उसने

कौतुहलवश फोटो खींचकर अपने व्हाट्सएप पर स्टेट्स लगाया था, जिसकी सूचना मिलने पर तुरंत प्रभाव से उक्त कार्मिक से पूछताछ की गई, जिससे उसने अज्ञानतावश स्टेट्स लगाया बताया। कार्मिक के विरूद्ध विभागीय कार्रवाई प्रारम्भ करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा निलंबित किया गया है तथा फोटो खींचने के सम्बन्ध में विवेच गये परिवाद पर जांच की जा रही है।

इस मानसून में 10 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा भजनलाल सरकार ने

प्रदेश में नमो वन एवं नमो नर्सरी तथा चंदन वन की स्थापना की जाएगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश को हरित बनाने के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि "हरियालो राजस्थान" राज्य सरकार की प्राथमिकता है। आगामी मानसून सीजन में 10 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य तय किया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय में वन एवं पर्यावरण विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने अधिकारियों को विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने और पौधारोपण कार्य को निरंतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सभी विभागों को सक्रिय भागीदारी आवश्यक है और मुख्य सचिव स्तर पर इसकी नियमित समीक्षा की जाए।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने "हरियालो राजस्थान" को लेकर शनिवार को वन एवं पर्यावरण विभाग की समीक्षा बैठक की। इस मौके पर वन राज्यमंत्री संजय शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा, आनंद कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि पौधारोपण अभियान को शुरूआत विश्व पर्यावरण दिवस से होगी, जबकि जुलाई, अगस्त और सितंबर में इसे व्यापक स्तर पर गति दी जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विभाग पहले से स्थान चयन, गड्डे तैयार करने और फेंसिंग जैसे कार्य समय पर पूरे कर लें। शर्मा ने कहा कि राजस्व विभाग के सहयोग से उपयुक्त स्थानों का चयन किया जाए। साथ ही भारतीय

रेलवे के साथ समन्वय कर रेलवे परिसरों पर भी पौधारोपण किया जाएगा। सार्वजनिक निर्माण विभाग को प्रमुख सड़कों और चारागाह भूमि पर वृक्षारोपण की योजना बनाने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने मिट्टी की उत्पादकता के अनुरूप पौधारोपण करने और विशेष रूप से गूलर जैसे वृक्षों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए।

उन्होंने सीएसआर के माध्यम से पौधों की सिंचाई के लिए टैकर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा "वृक्षमंत्रों" की भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। 'मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान' के तहत किसानों को नि:शुल्क फलदार पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही उदयपुर, सिरोंही और बांसवाड़ा जिलों

में चंदन वन विकसित करने की योजना पर भी काम किया जाएगा, जिसमें ड्रिप सिंचाई और तारबन्दी जैसी व्यवस्थाएं की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक जिले में 'नमो नर्सरी' स्थापित करने और पंचायत समिति स्तर पर 'नमो वन' विकसित करने की योजना को प्राथमिकता से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने पहाड़ी और वन क्षेत्रों में

■ पहाड़ी एवं वन क्षेत्रों में ड्रोन सिडिंग की जाएगी, किसानों को फलदार पौधे दिए जाएंगे

■ रेलवे परिसरों, प्रमुख सड़कों के पास तथा चारागाह भूमि में वृक्षारोपण करें : मुख्यमंत्री

ड्रोन सिडिंग तकनीक के उपयोग को भी बढ़ावा देने की बात कही।

उल्लेखनीय है कि 'मिशन हरियालो राजस्थान' के तहत वर्ष 2024 से 2028 तक कुल 50 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया है। वर्ष 2024 में 7.22 करोड़ और 2025 में 11.74 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं, जो निर्धारित लक्ष्यों से अधिक है। बैठक में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री संजय शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा, आनंद कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े।

खनन क्षेत्र के ऑटोमाइज्ड अधिकृत तुलाई कांटों का 8 जुलाई को लाइव परीक्षण

व्हीकल ट्रेकिंग सिस्टम से जुड़ेंगे खनिज परिवहन वाहन : एसीएस माइंस

■ फील्ड अधिकारी बनाए सहायक नोडल अधिकारी, मांडपूल इंस्टालेशन व लाइव कराने का अहम दायित्व : अपर्णा अरोरा

जयपुर । राज्य में खनन क्षेत्र के ऑटोमाइज्ड अधिकृत तुलाई कांटों का 8 अप्रैल से लाइव परीक्षण आरंभ किया जाएगा। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा ने बताया कि माइनिंग सेक्टर में राज्य के खानधारकों और राज्य सरकार दोनों के व्यापक हितों को देखते हुए रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन सिस्टम आरएफआईडी चालू करने का निर्णय लिया गया है।

उन्होंने बताया कि पहले चरण में वे-त्रिज ऑटोमाइजेशन और जीपीएस आरएफआईडी आधारित व्हीकल ट्रेकिंग सिस्टम वीडियो से मांडपूल तैयार कर चरणबद्ध तरीके से तुलाई कांटों और खनिज परिवहन वाहनों के ऑटोमाइजेशन का काम शुरू कर दिया गया है। विभाग के संबंधित फील्ड अधिकारियों को अवकाश के दिनों में भी ऑटोमाइजेशन का कार्य जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

एसीएस माइंस एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा ने बताया कि राज्य सरकार के उन्नत कार्यक्रम में आरएफआईडी के कार्य को शामिल किया गया है और यह कार्य अनवरत होने के बावजूद अगस्त तक तुलाई

सेक्टर में पारदर्शिता और व्यवस्था का सरलीकरण हो सकेगा। इससे सबसे अधिक लाभ खानधारकों को होगा वहीं राज्य सरकार के राजस्व में होने वाली छीजत पर भी रोक लग सकेगी।

अधीक्षक खनि अभियंता जयपुर एनएस शन्तावत ने बताया कि अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती अरोरा जयपुर एएसएमई कार्यक्रम के चयनित तुलाई कांटों के ऑटोमाइजेशन के कार्य को लाइव करेगी। इसके साथ ही ऑटोमाइज्ड कांटों का लाइव प्रदर्शन शुरू हो जाएगा।

अतिरिक्त निदेशक मुख्यालय एवं नोडल अधिकारी आरएफआईडी महेश माथुर ने बताया कि विभाग के खनि अभियंताओं और सहायक खनि अभियंताओं को सहायक नोडल अधिकारी बनाते हुए उन्हें चिन्हित तुलाई कांटों और खनिज परिवहन वाहनों में ऑटोमाइजेशन के कार्य को तय समय सीमा में कराने के निर्देश दिए गए हैं। हाईब्रिड बैठक में निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा, संयुक्त सचिव अरविन्द सारस्वत, विशेषाधिकारी श्रीकृष्ण शर्मा, अतिरिक्त निदेशक आईटी शौतल अग्रवाल व संबंधित अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

देवदूत बने राजस्थान पुलिस के जांबाज

जयपुर । ब्रह्मपुरी इलाके में शुकुवार शाम का मंजर किसी डरावने सपने से कम नहीं था। तेज अंधड़ और बारिश ने एक टीन शेड वाले घर को पलभर में मलबे में बदल दिया था। मलबे के नीचे दबी कराहती व मदद को पुकारती एक महिला... ऊपर लिखते टोन के टुकड़े... और चारों तरफ फैले टूटे बिजली के तार, जिनमें दौड़ रहा था करंट। हर सेकंड खतरा बढ़ रहा था, हर पल मौत करीब आ रही थी।



ब्रह्मपुरी इलाके में मलबे में दबी परिवार को पुलिसकर्मियों को सुरक्षित बाहर निकालकर जान बचाई।

बिजली के खुले तारों को देखकर कोई भी शख्स महिला को निकालने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था लेकिन तभी मिली सूचना पर बिजली की गति से वहां पहुंचे दो चेहरे-हेड कांस्टेबल भागीरथ और चालक हंसराज-जो उस दिन सिर्फ पुलिसकर्मी नहीं, बल्कि जिंदगी की आखिरी उम्मीद और देवदूत बनकर आए। हालात ऐसे थे जहां एक कदम आगे बढ़ाना भी जान जोखिम में डालने जैसा था। मगर इन दोनों ने न हालात देखे, न खतरा... बस देखा तो एक जिंदगी, जो मदद को पुकार रही थी। करंट से भरे तारों के बीच, मलबे को हटाने हुए, हर पल खतरे से जुझते हुए उन्होंने उस महिला तक पहुंच बनाई। पसिने, डर और जोखिम के बीच आखिरकार उन्होंने उसे बाहर खींच लिया-जैसे मौत के मुंह से

जिंदगी छीन ली हो। इसके बाद बिना समय गंवाए महिला को तुरंत एएसएमएस हॉस्पिटल के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया, जहां अब वह सुरक्षित है। यह सिर्फ एक रेस्क्यू नहीं था... यह उस जन्मे की कहानी थी, जहां वरदी सिर्फ जिम्मेदारी नहीं, बल्कि इंसानियत का प्रतीक बन जाती है। जब हर कोई पीछे हट जाता है, तब यही पुलिसकर्मी आगे बढ़ते हैं... और साबित कर देते हैं-आइए वक्त में पुलिस सिर्फ कानून नहीं, जिंदगी भी बचाती है।

“ग्राम-2026” के लिए देशभर में आयोजित होंगे रोड-शो

■ जयपुर सहित नई दिल्ली, अहमदाबाद, हैदराबाद और पुणे में निदेशकों और एग्रीटेक कंपनियों से होगा संवाद

राजस्थान को कृषि निवेश के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित करना तथा कृषि क्षेत्र में नवाचार, आधुनिक तकनीकों और आईटी आधारित समाधानों को बढ़ावा देना है। इन आयोजनों के दौरान संचालित निदेशकों, एग्रीटेक डेवलपर्स, उद्योग प्रतिनिधियों और नीति निर्माताओं के साथ संवाद स्थापित करते हुए राज्य में कृषि आधारित उद्योगों, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन से जुड़े अवसरों पर चर्चा की जाएगी। रोड शो के दौरान प्रतिभागियों को तकनीकी सत्र, कार्यशालाएं, प्रदर्शनियां, स्मार्ट फार्म एवं पशु प्रदर्शनी, बिजनेस-टू-बिजनेस और बिजनेस-टू-गवर्नमेंट बैठकें तथा निवेश संवाद के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। रोडशो का उद्देश्य

जयपुर । राजस्थान सरकार के कृषि विभाग द्वारा 23 से 25 मई को आयोजित होने जा रहे ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम)-2026 के प्रचार-प्रसार और निवेशकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से देशभर के प्रमुख शहरों में रोडशो आयोजित किए जाएंगे। ये रोड-शो 10 अप्रैल को जयपुर, 17 अप्रैल को दिल्ली, 24 अप्रैल को अहमदाबाद, 6 मई को हैदराबाद तथा 8 मई को पुणे में होंगे। प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यमिता मंजू पंचोली ने बताया कि ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026 मई माह में की जाएगी। इन रोड-शो के माध्यम से निवेशकों,

जयपुर सहित नई दिल्ली, अहमदाबाद, हैदराबाद और पुणे में निदेशकों और एग्रीटेक कंपनियों से होगा संवाद

एनर्जी मिक्स से करें ऊर्जा की दीर्घकालिक मांग का समुचित प्रबंधन : केन्द्रीय विद्युत सचिव

पीक ऑवर्स में बिजली की निर्बाध आपूर्ति के लिए बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली विकसित करने पर जोर दिया

-कार्यालय संवाददाता- जयपुर । केन्द्रीय विद्युत मंत्रालय के सचिव पंकज अग्रवाल ने दीर्घकालिक ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए विभिन्न ऊर्जा स्रोतों के मिश्रण (एनजी



केन्द्रीय विद्युत मंत्रालय के सचिव पंकज अग्रवाल ने शनिवार को विद्युत भवन में राज्य के एनर्जी सेक्टर से संबंधित विषयों पर चर्चा की।

■ पीएम कुसुम में अब तक करीब 3800 मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं राजस्थान में स्थापित हो चुकी : आरती डोगरा

सौर ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ावा मिला है। केन्द्रीय विद्युत सचिव ने कहा कि डिसेंट्रलाइज्ड सोलर परियोजनाएं विकसित होने के बाद ग्रिड में उत्पादित सौर ऊर्जा के इंटीग्रेशन की चुनौती भी पैदा हो रही है। ऐसे में वितरण निगम ग्रिड स्थिरता को दिशा में स्वयं को बेहतर तरीके से तैयार करें। उन्होंने पीक ऑवर्स में बिजली की निर्बाध आपूर्ति के लिए बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली सहित अन्य परियोजनाओं को समय पर विकसित करने पर जोर दिया।

लॉस रिडक्शन, आरडीएसएस योजना के अन्तर्गत स्मार्ट मीटर की प्रगति, रिसोर्स एडिक्वेंसी प्लान आदि पर चर्चा की। उन्होंने प्रदेश में ट्रांसमिशन परियोजनाओं के विस्तार, एस्टीमेटेड नेटवर्क पर नवीकरणीय ऊर्जा को कनेक्टिविटी आदि की भी जानकारी ली। इस अवसर पर रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन (आरईसी) के सीएमडी जितेंद्र श्रीवास्तव भी उपस्थित थे। ऊर्जा विभाग की शासन सचिव आरती डोगरा ने केन्द्रीय विद्युत सचिव को अवगत कराया कि पीएम कुसुम में अब तक करीब 3800 मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं स्थापित हो चुकी

है। उन्होंने जयपुर, अजमेर एवं जोधपुर विद्युत वितरण निगम द्वारा लॉस रिडक्शन की दिशा में किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी दी। राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रोहित गुप्ता, राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम के प्रबंध निदेशक सिद्धार्थ सिहाग, उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक देवेन्द्र श्रुंगी ने भी केन्द्रीय सचिव को संबंधित विषयों से अवगत कराया। इस दौरान केन्द्रीय विद्युत मंत्रालय के संयुक्त सचिव (वितरण) शशोक मिश्रा सहित केन्द्रीय विद्युत मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

हाईकोर्ट ने खारिज की पीआईएल

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने सांगानेर न्यायालय में पारिवारिक मामलों का क्षेत्राधिकार दिए जाने के खिलाफ दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा व जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह निर्देश पारिवारिक न्यायालय बार एसोसिएशन जयपुर के तत्कालीन महासचिव विष्णु शर्मा की जनहित याचिका पर दिया। याचिका में कहा कि आमजन को सुलभ न्याय देने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने 24 अगस्त 2022 के आदेश से सांगानेर नर्सरी एवं चौमू के एडीजे न्यायालय को पारिवारिक न्यायालय का क्षेत्राधिकार दिया था। इसके पालन में ही हाईकोर्ट ने 30 अगस्त को आदेश पारित किया। जिसे जनहित याचिका में चुनौती दी गई। एसोसिएशन में सांगानेर नर्सरी एवं चौमू के तत्कालीन अध्यक्ष महावीर सुरेंद्र जैन व महासचिव नेमीचंद सामरिया ने पक्षकार बनने का प्रार्थना पत्र दायर किया। सांगानेर बार एसोसिएशन की ओर से पैरवी करते हुए सीनियर एडवोकेट सुरेश पारीक व अधिवक्ता मनु पंचोली ने बताया कि मामलों का क्षेत्राधिकार पूर्व से एडीजे कोर्ट को दिया जा चुका है। प्रदेश में भी सभी मुख्यालयों पर एडीजे कोर्ट को ही पारिवारिक मामलों का क्षेत्राधिकार है। ऐसे में जनहित याचिका को खारिज किया जाए।

चाकसू में पति ने पत्नी की चाकू से गला रेतकर हत्या की

जयपुर। चाकसू क्षेत्र के स्वामी का बास गांव में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहां पति ने पत्नी को चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी और पूरी रात शव के पास बैठा रहा। घटना शुकुवार देर रात की बताई जा रही है। थानाधिकारी मनोहर लाल के अनुसार सांगानेर के रथपुर निवासी सुनीता (25) की शादी वर्ष 2020 में

स्वामी का बास निवासी रामवतार रंगर से हुई थी। दोनों के बीच पिछले कुछ समय से विवाद चल रहा था। रामवतार बेरोजगार था। जिसके चलते आप दिन कमावसुनी होती रहती थी। जहां शुकुवार रात विवाद बढ़ने पर आरोपी ने गुस्से में आकर पत्नी सुनीता का चाकू से गला रेत दिया। हमले के दौरान सुनीता ने बचने का प्रयास किया। जिससे

कमरे में खून फैल गया। हत्या के बाद आरोपी ने खुद के गले पर भी चाकू से वार कर आत्महत्या का प्रयास किया। लेकिन बच गया और रातभर पत्नी के शव के पास ही बैठा रहा। जब शनिवार सुबह करीब 6 बजे परिजनों ने गेट के पास सुनीता का शव और पास में घायल रामवतार को देखा। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और महिला का शव को पोस्टमार्टम के लिए सीएसएस चाकसू की मोचरी मिजबाया। जबकि आरोपी को उपचार के बाद हिरासत में ले लिया गया। मुत्तकार के थाना मुकेश ने पति और ससुराल पक्ष पर दहेज उल्पीडन का आरोप लगाते हुए हत्या का मामला दर्ज कराया है। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच में जुटी है।

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने सांगानेर न्यायालय में पारिवारिक मामलों का क्षेत्राधिकार दिए जाने के खिलाफ दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा व जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह निर्देश पारिवारिक न्यायालय बार एसोसिएशन जयपुर के तत्कालीन महासचिव विष्णु शर्मा की जनहित याचिका पर दिया। याचिका में कहा कि आमजन को सुलभ न्याय देने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने 24 अगस्त 2022 के आदेश से सांगानेर नर्सरी एवं चौमू के एडीजे न्यायालय को पारिवारिक न्यायालय का क्षेत्राधिकार दिया था। इसके पालन में ही हाईकोर्ट ने 30 अगस्त को आदेश पारित किया। जिसे जनहित याचिका में चुनौती दी गई। एसोसिएशन में सांगानेर नर्सरी एवं चौमू के तत्कालीन अध्यक्ष महावीर सुरेंद्र जैन व महासचिव नेमीचंद सामरिया ने पक्षकार बनने का प्रार्थना पत्र दायर किया। सांगानेर बार एसोसिएशन की ओर से पैरवी करते हुए सीनियर एडवोकेट सुरेश पारीक व अधिवक्ता मनु पंचोली ने बताया कि मामलों का क्षेत्राधिकार पूर्व से एडीजे कोर्ट को दिया जा चुका है। प्रदेश में भी सभी मुख्यालयों पर एडीजे कोर्ट को ही पारिवारिक मामलों का क्षेत्राधिकार है। ऐसे में जनहित याचिका को खारिज किया जाए।

कांग्रेस को रसातल में पहुंचाने वाले गहलोत को पार्टी ने किया साइड लाइन : घनश्याम तिवाड़ी

“गहलोत अपनी खीझ मिटाने के लिए सोशल मीडिया पर कर रहे हैं मिथ्या ट्विट”

-कार्यालय संवाददाता- जयपुर । भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के इंतजार शास्त्र पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत में शास्त्र तो 64 ही हुए हैं, शास्त्र जैसे पवित्र शब्द के साथ इंतजार जोड़ना नहीं चाहिए। वे चाहे तो इजहार नामा कर सकते हैं। गहलोत हारने के बाद अपनी उपेक्षा से पीड़ित होकर हताशा का इजहार कर सकते हैं। गहलोत जब-जब मुख्यमंत्री बने, उसके बाद उन्होंने पार्टी को रसातल में पहुंचाया और सत्ता भाजपा के पास आई। इसके चलते कांग्रेस ने तत्काल उन्हीं साइड लाइन कर दिया। कांग्रेस पार्टी को रसातल में पहुंचाने वाले गहलोत साहब को दिल्ली में पायलट और राजस्थान में डोटारास के चलते तबज्जो नहीं दी जा रही, ऐसे में वे सोशल मीडिया पर अपने कार्यों का इजहार कर रहे हैं। तिवाड़ी ने पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत के कार्यकाल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि "फूलां बाई फूलगी, गेल का दिन भूलगी" लोकप्रिय अशोक गहलोत पर चरितार्थ हो रही है। भाजपा के वरिष्ठ नेता घनश्याम तिवाड़ ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत अपना



सांसद घनश्याम तिवाड़ी

कार्यकाल कैसे भूल गए, जब प्रतियोगी परीक्षाओं के मेपरलोक हुए और प्रदेश के युवाओं के साथ कुठाराघात किया गया। गहलोत कैसे भूल गए कि प्रदेश के लिए महत्वकांक्षी परियोजना ईआरसीपी और यमुना जल समझौते को कांग्रेस सरकार ने लटकाने का कार्य किया। गहलोत कैसे भूल गए कि जेजेएम घोटाले में उनकी सरकार के मंत्री से लेकर विभाग के अधिकारी तक जेल पहुंच गए। गहलोत के कार्यकाल में युवा रोजगार के लिए इंतजार कर रहे थे, पेपरलोक रूकने का

इंतजार कर रहे थे, बहन-बेटियां सुरक्षा का इंतजार कर रही थी, किसान जमीन बचाने का इंतजार कर रहे थे और जनता भ्रष्टाचार से मुक्ति का इंतजार कर रही थी। तिवाड़ ने कहा कि सोशल मीडिया पर गहलोत सीरीज चला रहे हैं, जबकि आईपीडी टॉवर प्रोजेक्ट से लेकर टैंडर प्रक्रिया तक अन्यायमितातों से भरा हुआ था। गहलोत सरकार के आंकलन का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उनके ही कार्यकाल में परियोजना की लागत 400 करोड़ रुपए से बढ़कर 700 करोड़ रुपए हो गई, 1500 बेड

वाले टावर के लिए पार्किंग व्यवस्था सिर्फ 190 की गई। यह उनकी जल्दबाजी एवं दिखावे की राजनीति थी। सांगानेरी गेट महिला चिकित्सालय आईपीडी टॉवर को लेकर भी सिर्फ झूठ फैलाया। इसका सिविल खर्च लगभग पूरा हो गया, उपकरणों की वरिष्ठता का कार्य प्रगति पर है। गहलोत भूल गए कि उनके कार्यकाल के पहले 2 साल में एक भी पीएचसी नहीं खोली गई, जबकि भजनलाल सरकार ने 6 नई पीएचसी स्थापित की। कांग्रेस ने पहले 2 साल में 53 पीएचसी, भजनलाल सरकार ने 84 पीएचसी खोली, उप जिला अस्पताल गहलोत के कार्यकाल में 1, भजनलाल सरकार ने 61, जिला अस्पताल गहलोत के कार्यकाल में 3 तो भजनलाल सरकार ने 14 और सेटेलैट अस्पताल 2 के मुकाबले 18 खोलने का कार्य किया है। इतना ही नहीं, भजनलाल सरकार ने चिकित्सा क्षेत्र में दो साल में 50000 से अधिक भर्तियों की, 14 हजार से अधिक प्रक्रियाधीन सरकार के आंकलन का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उनके ही कार्यकाल में परियोजना की लागत 400 करोड़ रुपए से बढ़कर 700 करोड़ रुपए हो गई, 1500 बेड

हकीकत यह है कि 2016 तक राजस्थान में सिर्फ 8 मेडिकल कॉलेज थे, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 23 नए मेडिकल कॉलेज शुरू किए गए। घनश्याम तिवाड़ ने कहा कि गहलोत ने चुनावी साल में घोषणाओं की बाढ़ ला दी थी, शिलान्यास तो कर दिए, लेकिन उनके लिए बजट में कोई ठोस प्राधान्य तक नहीं किया था। गहलोत ने 5 साल में 4148 घोषणाएं की थी, जिनमें से 2208 पूरी हो नहीं हुईं। करीब 626 घोषणाएं तो ऐसी थीं जिन पर एक रुपए तक खर्च नहीं हुआ। जबकि भजनलाल सरकार ने 2719 बजट घोषणाएं की, जिसमें से 90 फीसदी पर स्वीकृतियां जारी कर दी गई हैं। इनमें से 34 प्रतिशत में कार्य पूर्ण हो गया, 56 प्रतिशत प्रगतिरत हैं और 10 प्रतिशत पर कार्य प्रारंभ होना है। महत्वाकांक्षी इंस्टीट्यूट्यूट हो या दिव्यांग विश्व विद्यालय, गहलोत ने सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया। सिविल लाइन्स आरओबी लेकर गहलोत साहब सफेद झुंड बोल रहे हैं। वर्ष 2021 में शुरू होने वाली योजना में 2022 तक सिर्फ 9 प्रतिशत कार्य हुआ। कांग्रेस के कार्यकाल में सिर्फ 20 प्रतिशत काम ही हुआ था।

सूने मकानों में चोरी करने वाले दो गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पुलिस की खोराबीसल थाना पुलिस ने सूने मकानों को निशाना बनाकर चोरी करने वाले दो शांतिर बद्माशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने कर्चनी, कालवाड और खोराबीसल थाना क्षेत्रों में एक दर्जन से अधिक वारदातें करना कबूल किया है। जिनके पास से सोने-चांदी के रेडकी करते और रात में ताला तोड़कर जेवर, नकदी व कीमती सामान चुरा लेते थे। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने कर्चनी क्षेत्र में किराए पर एक मकान लेकर उसे सफे हाउस बना रखा था। चोरी का माल और नकदी मकान की फॉल्स सीलिंग में छिपाकर रखते थे। जिससे किसी को भनक तक नहीं लगती थी। थानाधिकारी सुरेंद्र चोरी के अनुसार आरोपियों से 3 जोड़ी सोने की बालियां, 4 सोने की पातडियां, 1 सोने की अंठी, 7 चांदी की अंगुठियां, 5 जोड़ी चांदी की पायजमे, चांदी के सिक्के सहित नकदी बरामद की गई है। पुलिस आरोपियों ने अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

जयपुर। जयपुर पुलिस की खोराबीसल थाना पुलिस ने सूने मकानों को निशाना बनाकर चोरी करने वाले दो शांतिर बद्माशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने कर्चनी, कालवाड और खोराबीसल थाना क्षेत्रों में एक दर्जन से अधिक वारदातें करना कबूल किया है। जिनके पास से सोने-चांदी के रेडकी करते और रात में ताला तोड़कर जेवर, नकदी व कीमती सामान चुरा लेते थे। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने कर्चनी क्षेत्र में किराए पर एक मकान लेकर उसे सफे हाउस बना रखा था। चोरी का माल और नकदी मकान की फॉल्स सीलिंग में छिपाकर रखते थे। जिससे किसी को भनक तक नहीं लगती थी। थानाधिकारी सुरेंद्र चोरी के अनुसार आरोपियों से 3 जोड़ी सोने की बालियां, 4 सोने की पातडियां, 1 सोने की अंठी, 7 चांदी की अंगुठियां, 5 जोड़ी चांदी की पायजमे, चांदी के सिक्के सहित नकदी बरामद की गई है। पुलिस आरोपियों ने अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

गाँव का युवा गाँव में ही प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करे- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि अटल ज्ञान केन्द्रों पर ई-मित्र व ऑनलाइन क्लासेज की सुविधाएं विकसित करें

जयपुर, 4 अप्रैल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अटल ज्ञान केन्द्रों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अब पंचायत स्तर पर ही आधुनिक लाइब्रेरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। राज्य सरकार की मंशा है कि गाँव का युवा गाँव में ही प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर सके, इसके लिए अटल ज्ञान केन्द्रों को समुचित मूलभूत एवं आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाए, ताकि युवाओं को पढ़ाई के लिए शहरों की ओर पलायन न करना पड़े।

शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित बैठक में निर्देश दिए कि अटल ज्ञान केन्द्रों पर प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी पुस्तकें, पत्र-पत्रिकाएं तथा डिजिटल संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही, इन केन्द्रों पर ई-मित्र सेवाएं एवं ऑनलाइन क्लासेस की सुविधा भी विकसित की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल ज्ञान केन्द्रों के नवीन भवनों के निर्माण में गुणवत्ता एवं उपयोगिता का विशेष ध्यान रखा जाए। प्रत्येक केन्द्र का मानक नक्शा (मॉडल डिजाइन) तैयार कर उसे मॉडल के रूप में विकसित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने स्वायत्त शासन विभाग को आशुषि प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए एकीकृत कंट्रोल रूम



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मॉडल को सुदृढ़ीकरण के साथ अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए जयपुर को स्मार्ट मैनेजमेंट और उन्नत तकनीक आधारित मॉडल सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किए जाए, जिससे स्वच्छता, स्वास्थ्य और सार्वजनिक सुरक्षा को नई

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यह भी निर्देश दिए कि मानसून से पहले सीवरेंज कार्यों से प्रभावित सड़कों के गड्ढों व क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत करें ताकि आमजन को बारिश के दौरान किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो।

के लिए जिम्मेदारी तय कर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि मानसून से पूर्व सीवरेंज कार्यों से प्रभावित सड़कों के गड्ढों एवं क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत की जाए, ताकि आमजन को बारिश के मौसम में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। इस दौरान उन्होंने एफएसटीपी एवं शहरी क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट्स लगाए जाने के कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए।

बैठक में पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर, नगरीय विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झारसिंह खर्रा सहित, मुख्यमंत्री कार्यालय, नगरीय विकास, स्वायत्त शासन एवं पंचायतीराज विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास विडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े।

मजबूती मिल सकें।

शर्मा ने अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत सीवरेंज कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में देरी से लागत बढ़ती है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी विकास कार्य में देरी

‘केजरीवाल पर चढ़ा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नेता ने उन्हें, औपचारिक या अनौपचारिक रूप से, हस्ताक्षर करने के लिए नहीं कहा। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी के कई अन्य सांसदों ने भी इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर नहीं किए थे। सांसद ने कहा कि संसद में उनका ध्यान जनता के मुद्दों, जैसे जीएसटी, आयकर, दिल्ली में वायु प्रदूषण, पंजाब में जल समस्याएँ, सार्वजनिक स्वास्थ्य, शिक्षा, रेलवे यात्रे मुद्दे, मासिक धर्म एवं स्वास्थ्य, बेरोजगारी और महंगाई पर केन्द्रित रहा।

चढ़ा ने कहा कि संसद में “प्रभाव पैदा करने के लिए जाते हैं, शोर मचाते के लिए नहीं”, क्योंकि संसद करदाताओं के पैसे पर चलती है और उनकी जिम्मेदारी है कि वे उनके मुद्दों को उजागर करें। उन्होंने कहा, हर झूट उजागर किया जायेगा।

“आप” के अंदरूनी सूत्रों ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर बताया कि पार्टी

प्रमुख अरविंद केजरीवाल को चढ़ा के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए उकसाया गया, क्योंकि उनकी सोशल मीडिया प्रोफाइल के कारण वे बहुत लोकप्रिय हो रहे थे।

सूत्रों ने कहा, चढ़ा के खिलाफ इस प्रतिशोध का कारण उन कई नेताओं की इर्ष्या है, जिनकी बात केजरीवाल सुनते हैं।

उनकी फिल्म अभिनेत्री पत्नी परिणीति चोपड़ा से उन्हें वह प्रचार मिलता है, जो पार्टी के अन्य लोगों के पास नहीं है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनकी बढ़ती लोकप्रियता के कारण, उनके लिये कई दरवाजे स्वतः खुल जाते हैं।

भाजपा के बड़े नेता राघव को पार्टी में आने के लिये लुभाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन बताया जाता है कि वे इस समय वे कोई कदम नहीं उठाना चाहते। हालांकि वे गंभीरता से अपने भविष्य के विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

ईरान के खुज़ेस्तान में 6 पेट्रो केमिकल प्लांट पर हवाई हमला

तेहरान, 04 अप्रैल। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच अमेरिका और इजरायल ने दक्षिण-पश्चिमी ईरान के खुज़ेस्तान प्रांत के कई पेट्रो केमिकल प्लांट पर हवाई हमले कर उन्हें निशाना बनाया है ?

महाशहर इलाके में हुए इन हमलों में कम-से-कम 5 लोग घायल हुए हैं, जबकि कई औद्योगिक टिकानों को नुकसान पहुंचा है। ताजा घटनाक्रम ने क्षेत्र में पहले से जारी सैन्य तनाव को और बढ़ा दिया है।

ईरान की सरकारी समाचार संस्था प्रेसईडी टीवी के अनुसार, शनिवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 10:45 बजे अमेरिका और इजरायल ने ईरान के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत खुज़ेस्तान में मौजूद छह पेट्रोकेमिकल प्लांट को निशाना बनाकर हवाई हमले किए, जिसमें कम-से-कम पांच लोग घायल हो गए हैं।

■ हमले में 5 नागरिक घायल हो गए।

इसके अलावा महाशहर शहर के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में भी ये हमले किए गए।

स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, ईरान और इराक के बीच शांतिमंचे सीमा चौकी पर भी हमला किया गया। इस हमले से गंभीर नुकसान पहुंचा है। शनिवार को जारी बयान में महाशहर के पेट्रोकेमिकल क्षेत्र के जनसंपर्क विभाग ने कहा कि सभी कर्मचारियों को प्लांट से निकाल लिया गया है और क्षेत्र को बिजली काट दी गई है। बयान में कहा गया है कि आपातकालीन बचाव दल, चिकित्सा कर्मी और अग्निशमन विभाग कर्मी क्षेत्र में मौजूद हैं और स्थिति निंत्रण में है।

ईरान ने तैनात किया नया एयर डिफेंस

तेहरान, 04 अप्रैल। ईरान ने क्षेत्र में जारी सैन्य तनाव के बीच अपनी रक्षा रणनीति को मजबूत करते हुए नया एयर डिफेंस सिस्टम तैनात करने का दावा किया है।

ईरानी सेना के अनुसार, इस आधुनिक प्रणाली का उद्देश्य देश की हवाई सुरक्षा क्षमता को बढ़ाना और दुश्मन के लड़ाकू विमानों को रोकना है। ईरान के संयुक्त सैन्य कमांड खतम अल-अंबिया वायु रक्षा बेस ने

■ ईरान ने दावा किया वह जल्दी ही अपने एयर स्पेस पर नियंत्रण हासिल कर लेगा।

कहा कि यह नया सिस्टम हाल ही में तैनात किया गया है और इसका इस्तेमाल अमेरिकी लड़ाकू विमान को निशाना बनाने के लिए भी किया गया। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

ईरानी सेना का कहना है कि एक महीने से अधिक समय से जारी अमेरिका-इजरायल के हवाई हमलों के बावजूद वह जल्द ही अपने एयरस्पेस पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लेगा।

जोधपुर की पाँश सोसायटी के फ्लैट में मिनी ड्रग फैक्ट्री पकड़ी

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने छापे में दो करोड़ रूपए की एमडी ड्रग, नशीली गोलियाँ व उपकरण जब्त किए

जोधपुर, 4 अप्रैल (कासं)। प्रदेश में नशे के सौदागरों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत, एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) और जोधपुर पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने जोधपुर की पाँश सोसाइटी आशापूर्णा प्लेटिनम के एक फ्लैट में चल रही मिनी ड्रग फैक्ट्री का भी भंडाफोड़ किया है। इस रेड में पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में दो करोड़ रुपये से अधिक कीमत की एमडी ड्रग, नशीली गोलियाँ और उपकरण बरामद किए हैं। इस पूरे ऑपरेशन की रूपरेखा अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एमएन के निदेशन में तैयार की गई थी। एएसपी ज्ञानचंद यादव और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरोत्तम वर्मा के सुपरविजन में टीमों को सक्रिय किया गया, जिसमें सहायक उप निरीक्षक राकेश जाखड़ व कॉन्स्टेबल सुमेर सिंह की सटीक सूचनाओं ने इस ड्रग फैक्ट्री के केन्द्र तक पहुंचने का रास्ता साफ किया।

मामले की शुरुआत दो अप्रैल को गणपतराम विश्नोई की गिरफ्तारी से हुई।

■ दो अप्रैल को पकड़े गए मकान की छत पर ड्रग फैक्ट्री चलाने वाले गणपत राम से प्राप्त जानकारी पर ड्रग कारोबार के मास्टर माइंड भरत विश्नोई उर्फ आसुराम के आशापूर्णा प्लेटिनम के फ्लैट नम्बर यूए 803 पर छापारकर एजीटीएफ ने ये सफलता प्राप्त की

बनाइ क्षेत्र में एजीटीएफ ने आरोपी को मकान की छत पर बनी एक अन्य ड्रग फैक्ट्री का खुलासा करते हुए तीन किलो से अधिक एमडी और 5.5 किलो से अधिक केमिकल बरामद किया था। पुलिस कस्टडी में गणपतराम ने खुलासा किया कि वह तो महज एक मोहरा है, असली मास्टरमाइंड भरत विश्नोई उर्फ आसुराम उर्फ लक्की है, जो अपनी पहचान छुपाकर आशापूर्णा प्लेटिनम के फ्लैट नंबर यूए 803 में एक महिला के साथ रहता है और सफेद जेवर तैयार कर रहा है।

जब पुलिस टीम ने फ्लैट का दरवाजा तोड़ा तो अंदर अलमारी में रखा एक यूएएमएएमएल लिखा बैग बरामद हुआ। इस बैग के अंदर नशे का जखीरा

था। मौके पर बुलाई गई एफएसएल और एनसीबी की टीमों ने पुष्टि की कि बरामद सामान न केवल घातक एमडी ड्रग है, बल्कि उसमें उच्च गुणवत्ता वाला केमिकल भी शामिल है। पुलिस ने 3.66 ग्राम शुद्ध एमडी बरामद की। इसके साथ ही, 1.178 किलोग्राम ऐसा संदिग्ध केमिकल और पाउडर मिलता, जो तैयार एमडी से भी अधिक उच्च श्रेणी का था। अल्ट्राटेक सीमेंट की पीली टेप से लिपटे पैकेटों और जीपर पाउच में 2000 से अधिक कुल 3.663 किलोग्राम नशीली गोलियाँ बरामद हुईं। मौके से एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा, टेप रोल और आरोपी के बच्चों के आधार कार्ड सहित, कई अहम दस्तावेज जब्त किए गए।

दिल्ली में एक बार फिर “कृत्रिम बारिश” का प्रयास होगा

गत वर्ष भी आईआईटी कानपुर के सहयोग से यह प्रयास किया गया था, पर, असफल रहा था

■ पर, दिल्ली में प्रदूषण की समस्या से निपटने का “कृत्रिम बारिश” ही प्रभावी तरीका माना जाता है। अतः, एक बार फिर अप्रैल व जून में यह कोशिश की जाएगी।

-जाल खंभाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 4 अप्रैल। जैसे-जैसे दिल्ली लगातार वायु प्रदूषण की समस्या से जूझ रही है, अधिकारियों ने फिर से कृत्रिम बारिश की ओर रुख करने पर विचार किया है। आईआईटी कानपुर ने अप्रैल से जून के बीच क्लाउड सीडिंग (बादल बोझार) परीक्षण करने के लिए नगर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से अनुमति मांगी है।

क्लाउड सीडिंग परियोजना को पिछले साल पहली बार दिल्ली सरकार और आईआईटी कानपुर ने मिलकर शुरू किया गया था। यह एक आपातकालीन उपाय के रूप में प्रदूषण के उच्च स्तर के समय लागू किया गया, और इसे एक समझौता ज्ञान (एमओयू) के माध्यम से औपचारिक रूप दिया गया। असाधारम मौसम और नित्यमक अनुमतियों के कारण हुई महीनों की देरी के बाद, अक्टूबर 2025 के अंत में दो दौर के परीक्षण किए गए। ऑपरेशन में

इस्तेमाल किए गए विमानों में विशेष रूप से सुसज्जित “सेसना” विमान भी शामिल था, जिसने दिल्ली के कुछ हिस्सों में बादलों में सिल्वर आयोडाइड, आयोडाइड नमक और रॉक साल्ट का मिश्रण छोड़ा, ताकि बारिश उत्पन्न हो और हवा में तैर रहे प्रदूषक जम सकें। लेकिन यह प्रयास सफल नहीं रहा। आईआईटी कानपुर ने अपनी मूल्यांकन रिपोर्ट में कहा कि प्राप्त परिणाम का कारण बादलों में नमी की कम मात्रा थी और परिस्थितियाँ वर्षा के अनुकूल नहीं थी। विशेषज्ञ लगातार यह रेखांकित करते रहे हैं कि क्लाउड सीडिंग बादल नहीं बना सकती, यह केवल तब काम करती है, जब पर्याप्त बादल और आर्द्रता मौजूद हो। सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की कि

उन परिणामों के बाद, इस साल की शुरुआत में दिल्ली में एक और दौर के परीक्षण किए गए।

जहाँ अधिकारी इस विकल्प को आगे भी काम में लेना चाह रहे हैं, वहीं विशेषज्ञ इसे केवल एक अल्पकालिक, सहायक उपाय मानते हैं, जो प्रदूषण से केवल अस्थायी राहत प्रदान कर सकता है और केवल अनुकूल मौसम की स्थिति में ही प्रभावी होता है।

क्लाउड सीडिंग एक मौसम संशोधन तकनीक है, जिसमें सिल्वर आयोडाइड या नमक जैसे पदार्थ मौजूदा बादलों में फैलाए जाते हैं, ताकि वर्षा बढ़ सके। ये कण नाभिक के रूप में कार्य करते हैं, पानी की बूंदों के निर्माण में मदद करते हैं, जिससे बारिश हो सकती है।

भाजपा कार्यालय पर हमले में 5 गिरफ्तार

चंडीगढ़, 04 अप्रैल। पंजाब पुलिस के काउंटर इंटेलिजेंस विंग ने चंडीगढ़ पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई में सेक्टर-37 स्थित भाजपा कार्यालय के बाहर हुए ग्रेनेड हमले का खुलासा किया है। इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके कब्जे में एक हैंड ग्रेनेड, एक

■ सभी पांच आरोपियों के तार पाकिस्तान की गुप्तचर एजेंसी आईएसआई द्वारा संचालित आतंकी मॉड्यूल से बताए जा रहे हैं।

.30 बोर जिगाना पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। डीजीपी पंजाब गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बलविंदर लाल उर्फ शम्मी (गांव मलजरी, एसबीएस नगर), जसवीर सिंह उर्फ जससी (गांव धरापुर, एसबीएस नगर), चरणजीत सिंह उर्फ चन्नी (गांव सुजावलपुर, एसबीएस नगर), रूबल चौहान (गांव ठाणा, शिमला) और मनदीप उर्फ अभिजित शर्मा (धूरी, संगरूर) के रूप में हुई है।

अब तक का सबसे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सामिक भूधराचर्य ममता बनर्जी और उनके वरिष्ठ पार्टी सदस्यों की तुलना में कहीं अधिक शिक्षित बंगाली हैं। वे अपने भाषणों में श्रेष्ठ बंगाली कविता का उपयोग करने में निपुण हैं। इस मामले में, वे बंगाल के पुराने राजनेताओं की परंपरा में आते हैं।

लेकिन सतही रूप से देखा जाए, तो बंगाल में चुनावी हिंसा और उद्दान-धमकाने 1977 में लेफ्ट फ्रंट के सत्ता में आने के बाद से ही प्रचलित है। केन्द्रीय बलों को तैनात किया गया है, फिर भी राज्य भर में गुणमूलक कांग्रेस के गुंडों द्वारा उद्दान-धमकाने की कई घटनाएँ हुई हैं। टीएमसी के राजू मंडल ने मतदाताओं को डराये और उन्हें भाजपा के पक्ष में एक भी वोट डालने से रोकने के लिए घर-घर जाकर धमकाया।

शिकायत मिलने पर, राजू मंडल को गिरफ्तार कर लिया गया और हिरासत में ले लिया गया। लेकिन गुणमूलक कांग्रेस की मददगार टीम ने तुरंत काम किया और राजू को जमानत मिल गई। तुरंत ही राजू अपने पुराने काम में लौट आए और धमकी भरे दौरें दोबारा शुरू कर दिए। इसी तरह, माल्दा और मुर्शिदाबाद जिलों में गुणमूलक कांग्रेस के कुछ गुंडे अत्यधिक सक्रिय हैं और राजू अपनी धमकियों को बदलते रहते हैं। प्रतिशोध और जान के डर से कोई उनके खिलाफ शिकायत दर्ज नहीं कर रहा।

वर्तमान संकेतों के आधार पर, यह कहा जा सकता है कि इस बार बंगाल का चुनाव अत्यधिक हिंसक होगा, जिसका नेतृत्व कोई और नहीं, बल्कि राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ही करेंगी।

ओलावृष्टि ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जरूरत है। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी राजस्थान, गुजरात, पश्चिमी मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश, ओडिशा, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी मौसम विज्ञान संस्थान के अनुसार, शनिवार को पश्चिमी राजस्थान में मौजूद छह पेट्रोकेमिकल प्लांट को निशाना बनाकर हवाई हमले किए, जिसमें कम-से-कम पांच लोग घायल हो गए हैं।

मौसम की सबसे ज्यादा मार किसानों पर पड़ी है। राजस्थान के कई जिलों में ओलावृष्टि के कारण फसलों को भारी नुकसान हुआ है। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बेव्वा ने इसे प्राकृतिक आपदा करार दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर सभी अधिकारियों को नुकसान का आकलन करने के लिए कहा गया है। सरकार संकेत की इस घड़ी में पूरी तरह से किसानों के साथ खड़ी है।

एस.आई. भर्ती परीक्षा-2021 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दर्ज याचिका को भी रद्द किया है। आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष व सदस्यों ने अपील में एकलपीठ की ओर से दिए फैसले में उनके खिलाफ की गई टिप्पणियों को हटाने की गुहार की थी। असफल अभ्यर्थियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मेजर आरपी सिंह और अधिवक्ता हेरेंद्र नील ने परीक्षा रद्द करने की गुहार करते हुए कहा था कि आर.पी.एस.के. के निलंबित सदस्य बाबूलाल कटारा ने परीक्षा से 35 दिन पहले तत्कालीन सदस्य रामराम राइका को पेपर दिया था। कटारा ने अपने ड्राइवर के बेटे अजय प्रताप सिंह, रिश्तेदार विजय डामोर व राहुल कटारा, शिक्षक कुंदन, सहायक लेखाधिकारी संदीप कुमार व पुरुषोत्तम दधीच, शिवासिंह एवं तत्कालीन पीएसओ राजकुमार यादव को भी पेपर दिया।

राइका ने अपने बेटे-बेटी को यह पेपर दिया था। भर्ती में दोषियों की छंटनी मुश्किल है, इसलिए इसे रद्द किया जाए। इसके विरोध में राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र वरिष्ठ, सफल अभ्यर्थियों की ओर से सचिव अधिवक्ता आर.एन.माधुर, वरिष्ठ

अधिवक्ता कमलाकर शर्मा व वरिष्ठ अधिवक्ता विकास बालिया ने कहा कि पेपर लीक व्यापक स्तर पर नहीं हुआ था और दोषियों को छंटनी संभव है। कुछ चयनित अभ्यर्थियों की ओर से कहा गया कि वे पुरानी नौकरी छोड़कर आए थे और जांच में वे बेदाग निकले हैं, ऐसे में भर्ती रद्द करना ठीक नहीं है।

गौरतलब है कि राजस्थान हाईकोर्ट में एस.ओ.जी. की जांच रिपोर्ट एक अभ्यर्थी द्वारा पेश किए जाने पर भी सवाल उठाए गए थे, क्योंकि यह रिपोर्ट सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं थी।

जिस पर कोर्ट ने कहा कि यह जनहित से जुड़ा मुद्दा है, इसलिए यह बेहद छोटी-मोटी बातें हैं कि, जांच रिपोर्ट कहाँ मिली, कैसे मिली? यह देखने की आवश्यकता है कि जांच रिपोर्ट में जो तथ्य हैं, वह बेहद जरूरी हैं और जनहित से जुड़े हुए हैं। कोर्ट ने जांच रिपोर्ट को आधार बनाते हुए कहा कि, एस.ओ.जी. ने इस भर्ती पेपरलीक मामले में 138 लोगों को गिरफ्तार किया है, 133 के खिलाफ चार्जशीट पेश हुई हैं, 85 लोग पकड़े हैं। इसके साथ ही 51 एन.आई. टेनी हैं, जिन्होंने परीक्षा पास कर ली थी, जिन्हें बाद में गिरफ्तार किया गया। इस

ट्रम्प का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किसी भी तरह का अवरोध अंतरराष्ट्रीय बाजार पर बड़ा असर डाल सकता है। ट्रम्प ने संकेत दिया कि अगर ईरान ने इस मार्ग को खोलने में देरी की, तो गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

इसी के साथ, ट्रम्प ने नाटो पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने गठबंधन की कमजोर और गैर-परसेमेद करार देते हुए कहा कि मौजूदा हालात में यह अपने दायित्वों को प्रभावी ढंग से निभाने में विफल रहा है।

ट्रम्प ने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका नाटो के साथ अपने संबंधों की समीक्षा कर सकता है। उन्होंने ईरान से जुड़े मौजूदा तनाव के दौरान कुछ सहयोगी देशों के रुख पर नाराजगी जताई।

केदारनाथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आगामी 22 अप्रैल को कपाट खुलने की प्रस्तावित तिथि को देखते हुए प्रशासन और संबंधित एजेंसियों की चिंताएँ बढ़ गई हैं। बदरी-केदार मंदिर समिति (बोकेटीसी) के सदस्य विनीत पोस्ती ने जानकारी देते हुए बताया कि धाम में बोती शाम से ही बर्फबारी जारी है। जिन स्थानों से बर्फ हटाई गई थी, वहाँ फिर से बर्फ जम गई है, जिससे व्यवस्थाएँ प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि लगातार बर्फबारी के चलते यात्रा व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से तैयार करने में कठिनाई आ रही है।

उत्तराखंड में मौसम विभाग ने राज्य के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर एवं पिथौरागढ़ जयपद में कहीं-कहीं गरज के साथ बारिश होने की संभावना जताई है। जबकि 3300 मीटर से उमसे अधिक उत्तराखंड के शेष जयपदों के कुछ स्थानों में हल्की से मध्यम बारिश गरज व चमक के साथ हो सकती है। उत्तराखंड में मौसम विभाग ने उत्तरकाशी के देहरादून, टिहरी, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर व पिथौरागढ़ जयपदों में गरज के साथ बारिश होने का अंदेशा जताया है।

होर्मुज़ स्ट्रेट से भारत के 8 जहाज सुरक्षित निकले दो और निकलने वाले हैं

इसे भारत की भारी कूटनीतिक सफलता के रूप में देखा जा रहा है

■ युद्ध के बावजूद भी ईरान के साथ कूटनीतिक स्तर पर भारत की वार्ता जारी है।

नई दिल्ली, 04 अप्रैल। पश्चिम दिशा में जारी जंग के दौरान भारत के एलपीजी टैंकर ग्रीन सानवी ने सफलता पूर्वक होर्मुज़ स्ट्रेट पार कर आ ज एक बार फिर देश को काफी राहत वाली खबर दी है। अमेरिका और इजरायल तथा ईरान के बीच जारी जंग की वजह से होर्मुज़ स्ट्रेट के रास्ते गुजरने वाले मालवाहक जहाज और ऑयल या गैस टैंकर की आवाजाही लगभग ठप पड़ी हुई है। ईरान द्वारा होर्मुज़ स्ट्रेट की नाकाबंदी कर देने के कारण पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट का खतरा मंडराने लगा है। ऐसी स्थिति में भारत के ऑयल और गैस टैंकर के इस रास्ते से सुरक्षित गुजरने से भारत को कूटनीतिक सफलता जग जाहिर हो गई है।

होर्मुज़ स्ट्रेट की नाकाबंदी के कारण वहाँ दुनिया भर के जहाज फंसे

हुए हैं। वहीं भारत एक-एक कर अपने जहाजों को वहाँ से सुरक्षित निकाल रहा है। ग्रीन सानवी समेत अभी तक कम से कम आठ भारतीय जहाज होर्मुज़ स्ट्रेट से सुरक्षित निकल चुके हैं। इनमें ग्रीन सानवी के अलावा शिवालिक, नंदा देवी, जग लाडूकी, पाइन गैस, जग वसंत, बीडब्ल्यू टायर और बीडब्ल्यू के नाम शामिल हैं।

इन आठ जहाजों के अलावा, दो और जहाज ग्रीन आशा और जग विक्रम के भी आने वाले दिनों में होर्मुज़ स्ट्रेट पार कर भारत पहुंचने की उम्मीद है। इस तरह भारत का नाम उन देशों में शामिल हो गया है, जिनके सबसे ज्यादा

जहाज युद्ध प्रभावित होर्मुज़ स्ट्रेट से सुरक्षित गुजरे हैं। इससे भारत की ऊर्जा सप्लाई बनी हुई है और आम लोगों की इंधन की जरूरत पूरी हो रही है।

जानकारों का कहना है कि इन जहाजों के सुरक्षित गुजरने से यह साफ है कि भारत ने मुश्किल हालात में भी अपनी ऊर्जा आपूर्ति को बनाए रखा है। भारत के आठ जहाजों के सुरक्षित निकल जाने के बावजूद, इस समय 15 से ज्यादा भारतीय झंडे वाले जहाज होर्मुज़ स्ट्रेट के मुहाने पर मौजूद हैं, जिन पर करीब 485 भारतीय नाविक विचार हैं। उम्मीद की जा रही है कि भारत सरकार ईरान से बातचीत कर

जल्दी ही इन जहाजों को भी होर्मुज़ के रास्ते सुरक्षित निकालने में सफल रहेगी।

राहत की बात ये है कि युद्ध के बावजूद ईरान के साथ भारत सरकार लगातार कूटनीतिक स्तर पर बातचीत जारी रखे हुए है। इसी बातचीत के कारण पिछले सप्ताह ही ईरान ने कहा था कि अमेरिका, इजरायल और उनके सहयोगी देशों के अलावा मित्र देशों के जहाज ईरानी अधिकारियों के साथ कोऑर्डिनेशन में होर्मुज़ को पार कर सकते हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास आराघची ने कहा था कि होर्मुज़ स्ट्रेट उन देशों के लिए चालू है, जो तेहरान के साथ जुड़े हुए हैं और जिन्हें दोस्त माना जाता है। इस क्रम में उन्होंने भारत का उल्लेख भी दोस्त के रूप में किया था।